कृष्ण पक्ष, 21 वर्ष, अंक 356, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज | रविवार 22 जनवरी 2023 | विश्व निर्माण एवं मानव विकास को दुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

यूट्यूब और ट्विटर पर अब नहीं दिखेगी पीएम मोदी पर बनी बीबीसी की डॉक्यूमेंट्री

मोदी पर बनी विवादित डॉक्यूमेंट्री ब्लॉक

नई दिल्ली: केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री मोदी की आलोचना करने वाली बीबीसी की डॉक्यूमेंट्री इंडियाः द मोदी क्वेश्चन के पहले एपिसोड को शेयर करने वाले यूट्यूब वीडियो और ट्वीट्स को ब्लॉक कर दिया है। सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने इस मामले में संज्ञान लेते हुए निर्देश जारी किया है।

केंद्र ने यूट्यूब वीडियो के साथ ट्विटर को भी बीबीसी की डॉक्यूमेंट्री वाली वीडियो लिंक शेयर करने वाले करीब 50 से अधिक ट्वीट्स को ब्लॉक करने का निर्देश दिया है। सूत्रों के मुताबिक, यूट्यूब को यह भी निर्देश दिया गया है कि अगर वीडियो को दोबारा उसके प्लेटफॉर्म पर अपलोड किया जाता है तो उसे ब्लॉक कर दिया जाए।

विदेश मंत्रालय जता चुका है आपत्ति

बीबीसी की डॉक्यूमेंट्री इंडियाः द मोदी क्वेश्चन पर विदेश मंत्रालय की तरफ से भी प्रतिक्रिया आई है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने एक साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग के दौरान कहा कि बीबीसी ने एक विशेष बदनाम कहानी को आगे बढ़ाने के लिए इस डॉक्यूमेंट्री को बनाया है। उन्होंने कहा, "हमें लगता है कि यह एक विशेष बदनाम कहानी को आगे बढ़ाने के लिए बनाया गया एक डॉक्यूमेंट्री है, जिसमें पूर्वाग्रह और निष्पक्षता की कमी के साथ स्पष्ट रूप से जारी औपनिवेशिक मानसिकता दिखाई दे रही है।"

आईटी नियम 2021 के तहत आपातकालीन शक्तियों का उपयोग करते हुए कार्रवाई की है। सूचना और प्रसारण सचिव ने यूट्यूब और ट्विटर को इस मामले में कथित तौर पर कार्रवाई करने का निर्देश जारी किया था, जिसका दोनों कंपनियों ने अनुपालन किया है। मालूम हो कि ब्रिटेने के नेशनल ब्रॉडकास्टर ब्रिटिश ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन (बीबीसी) ने साल 2002 के गुजरात दंगों के दौरान गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में पीएम मोदी के कार्यकाल पर हमला करते हुए डॉक्यूमेंट्री की दो श्रृंखला प्रसारित की है, जिसपर विवाद हो गया है। विवाद के बाद वीडियो को कई प्लेटफार्मों से हटा दिया गया है।

डॉक्यूमेंट्री के खिलाफ कई दिग्गजों ने लिखा पत्र, बताया भ्रामक

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की आलोचना वाली बीबीसी की डॉक्यूमेंट्री को लेकर घमासान मचा हुआ है। इसी बीच रिटायर जजों, रिटायर नौकरशाहों और रिटायर सशस्त्र बलों के दिग्गजों ने डॉक्यूमेंट्री का खंडन करते हुए एक पत्र लिखा। जिसमें कहा गया कि हमने जो कुछ भी देखा है उसके मुताबिक बीबीसी सीरीज भ्रामक रिपोर्टिंग पर आधारित है। पत्र के जरिए रिटायर जजों, रिटायर नौकरशाहों और रिटायर सशस्त्र बलों के दिग्गजों ने बीबीसी को ब्रिटिश राज की याद दिलाते हुए कहा कि भारत ने वो अतीत भी देखा है जिसमें हुकूमत करने वाले ही जज और जूरी हुआ करते थे।

आईटी नियम 2021 के तहत हुई कार्रवाई: सूचना और प्रसारण सचिव ने पत्र में बीबीसी सीरीज को भ्रामक और एकतरफा रिपोर्टिंग पर आधारित बताते हुए कहा गया कि यह एक स्वतंत्र, लोकतांत्रिक और भारतवासियों की इच्छा मुताबिक कार्य करने वाले राष्ट्र के रूप में भारत के अस्तित्व के 75 साल पुराने ढांचे पर सवाल उठाती है।

यूट्यूब वीडियो हुआ ब्लॉक: केंद्र सरकार ने बीबीसी की 'डॉक्यूमेंट्री इंडियाः द मोदी क्वेश्चन' के पहले एपिसोड को शेयर करने वाले यूट्यूब वीडियो और ट्वीट्स को ब्लॉक कर दिया है।

सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने इस मामले में संज्ञान लेते हुए निर्देश जारी किया है।

माघ मेला: संगम नगरी में उमड़ा आस्था का सैलाब

प्रयागराजः माघ मेला क्षेत्र में मौनी अमावस्या के पावन पर्व पर शुक्रवार से ही श्रद्धालुओं के आने का जो सिलसिला जारी हुआ वह देर शाम तक जारी थी। स्नानार्थियों की भीड़ गंगा किनारे बने कुल 15 घाटों पर स्नान के लिए जुटी। श्रद्धालु अपनी मनोकामना प्राप्ति के लिए पूजा-अर्चना भी किया। शनिवार को सुबह पुलिस उपायुक्त नगर ने बताया कि सुबह छह बजे तक लगभग 22 लाख से ज्यादा श्रद्धालु स्नान कर चुके थे। श्रद्धालु स्नान कर अपने घर की ओर प्रस्थान भी किया। मौनी अमावस्या पर पुण्य लाभ अर्जित करने के उद्देश्य से उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने भी आज संगम में डुबकी लगायी। काशी सुमेरू पीठाधीश्वर स्वामी नरेन्द्रानंद सरस्वती ने बताया कि मौनी अमावस्या 21 जनवरी को प्रातः 05.19 से प्रारम्भ हो जायेगा।

उप्र: रोजगार दिवस पर 22 अभ्यर्थी हुए चयनित

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में युवाओं को रोजगार देने की मुहिम ने जोर पकड़ रही है। इसी क्रम में शनिवार को लखनऊ के अलीगंज मार्ग स्थित राजकीय आईटीआई में रोजगार दिवस पर 150 अभ्यर्थियों को आमंत्रित किया गया। सुबह से शाम तक चली लिखित परीक्षा व साक्षात्कार के बाद 22 अभ्यर्थी चयनित हुए। एप्को इन्फ्राटेक कम्पनी के अधिकारियों की मौजूदगी में रोजगार दिवस पर कार्यक्रम प्रभारी एम.ए.खान ने पूरे दिन की व्यवस्थाओं को देखा। लिखित परीक्षा 46 अभ्यर्थियों ने उत्तीर्ण किया, लेकिन जब साक्षात्कार हुआ तो 24 अभ्यर्थियों को सफलता नहीं मिली।

'भारत के साथ एफटीए वार्ता बहुत आगे निकली'

नई दिल्ली: ब्रिटेन और भारत के बीच महत्वाकांक्षी मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए बातचीत काफी आगे बढ़ चुकी है। ब्रिटेन के विदेश मंत्रालय के एक अधिकारी ने यह जानकारी देते हुए बताया कि भारत के साथ वार्ता का अगला दौर बहुत जल्द शुरू होगा। उन्होंने कहा कि एक मजबूत व्यापार समझौते से देश की अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिल सकता है। भारत और ब्रिटेन आपसी व्यापार एवं निवेश को प्रोत्साहन देने के लिए मुक्त व्यापार समझौता करने को लेकर बातचीत कर रहे हैं। दोनों ही देश इस समझौते को जल्द मूर्त रूप देना चाहते हैं। ब्रिटेन के विदेश मंत्रालय में दक्षिण एशियाई मामलों के मंत्री लॉर्ड तारिक अहमद ने कहा कि भारत के साथ ब्रिटेन के संबंध उसकी विदेश नीति के केंद्र में हैं। अहमद गुरुवार को हाउस ऑफ लॉर्ड्स में 'ब्रिटेन और भारत के बीच संबंधों का महत्व' शीर्षक वाली बहस का जवाब दे रहे थे। इस बहस की शुरूआत ब्रिटिश भारतीय बैरोनेस सैंडी वर्मा ने की थी।अहमद ने पुष्टि की कि द्विपक्षीय मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए बातचीत 'काफी आगे' बढ़ चुकी है, और वार्ता का अगला दौर बहुत जल्द शुरू होने वाला है। उन्होंने कहा, 'यह सच है कि भारत के साथ ब्रिटेन का संबंध हमारी विदेश नीति के केंद्र में है। हम इस संबंध को और मजबूत कर रहे हैं।" उन्होंने कहा कि दुनिया की सबसे बड़ी और सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक के रूप में भारत-ब्रिटेन का एक प्रमुख भागीदार है।

'यात्रियों के उड़ान नहीं पकड़ने पर स्कूट एयरलाइन ने की तुरंत कार्रवाइ'

नई दिल्ली। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने कहा कि सिंगापुर की स्कूट एयरलाइन कंपनी ने अमृतसर-सिंगापुर उड़ान के दौरान कई यात्रियों के छूट जाने के मामले में तुरंत कार्रवाई की थी। डीजीसीए ने शनिवार को एक बयान में कहा कि उसने 18 जनवरी की इस घटना के संबंध में स्कूट से एक रिपोर्ट मांगी थी। जांच में पता चला कि उड़ान के समय में बदलाव से 17 यात्री प्रभावित हुए थे, क्योंकि उन्हें उनके ट्रैवल एजेंट ने समय में हुए बदलाव के बारे में नहीं बताया था। नियामक के मुताबिक अमृतसर हवाईअड्डे पर धुंध की स्थिति को देखते हुए उड़ान के समय में बदलाव किया गया था। डीजीसीए ने कहा कि उड़ान नहीं पकड़ पाए यात्रियों को 14 दिनों के भीतर दूसरी उड़ान में मुफ्त में टिकट लेने का विकल्प स्कूट की तरफ से दिया गया। इसके अलावा वाउचर के रूप में 120 फीसदी रिफंड या नकद भुगतान के रूप में 100 फीसदी रिफंड लेने का विकल्प भी यात्रियों को दिया गया। नियामक ने एयरलाइन की तीव्र प्रतिक्रिया की सराहना करते हुए कहा कि प्रभावित यात्रियों का पूरा ख्याल रखा गया।

वन जीवन का महत्वपूर्ण अंग है। इनकी सुरक्षा हम सबका नैतिक दायित्व

वन जीवन का महत्वपूर्ण हिस्साः सीएम धामी

देहरादूनः वन जीवन का महत्वपूर्ण अंग है। इनकी सुरक्षा हम सबका नैतिक दायित्व है। शनिवार को मुख्यमंत्री ने कहा कि अधिवेशन से राज्य के विकास के साथ वन संरक्षण, पर्यावरण, आपदा प्रबंधन आदि विषयों पर समाधान का मार्ग भी निकलेगा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने यह बात मंथन सभागार, देहरादून में भारतीय वन सेवा संघ, उत्तराखंड के वार्षिक अधिवेशन में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग करते हुए कही। उन्होंने इस अधिवेशन से राज्य के विकास के साथ वन संरक्षण, पर्यावरण, आपदा प्रबंधन आदि विषयों पर समाधान का मार्ग भी निकलेगा जो प्रदेश के लिए हितकारी सिद्ध होगा। मुख्यमंत्री ने एक नई संस्कृति बनाने, सरलीकरण के साथ एक रोड मैप बनाने में भी जोर दिया।

अधिवेशन में वानिकी क्षेत्र के माध्यम से आजीविका सृजन, ईको फ्रेंडली टूरिज्म, जड़ी बूटी उत्पादन, मानव वन्य जीव संघर्ष रोकने, बन्दरों, जंगली जानवरों व वन अग्नि से होने वाले नुकसान को रोकने, वन संरक्षण, पौधरोपण, नवाचार आदि कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर भी चर्चा व मंथन किया गया।

सड़क हादसों में कमी लाने के लिए ऐप में दर्ज होगी जानकारी

वाराणसी। केन्द्र सरकार ने जिले में बढ़ते सड़क हादसों में कमी लाने के लिए पहल की है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने एन.आई. सी. के साथ मिलकर एकीकृत सड़क सुरक्षा डाटा बेस तैयार करने के लिए एक ऐप विकसित किया है। शनिवार को इंटीग्रेटेड रोड एक्सीडेंट डेटाबेस (आई.आर.ए.डी)में डाटा फीड करने के लिए भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, वाराणसी (एन.एच.ए.आई) के कर्मचारियों को कार्यालय में प्रशिक्षण दिया गया। एक्सीडेंट डेटाबेस आई रेड ऐप पर जिले में होने वाली दुर्घटनाओं का विवरण दर्ज करने का तरीका रोल आउट प्रबंधक चन्द्रकांत तिवारी ने बताया।

कश्मीर-लद्दाख में जम गई झीलें और नदियां, बारिश और बर्फबारी की चेतावनी

जम्मू: जम्मू-कश्मीर में शनिवार को मौसम सुबह से ही बदला नजर आया। जम्मू संभाग में बादल छाए रहे जबकि कश्मीर में कड़ाके की ठंड रही। लद्दाख में लगातार शीतलहर जारी है। जम्मू-श्रीनगर हाईवे पर उधमपुर और रामबन के बीच लगातार भूस्खलन हो रहा है। इससे यातायात ठप है। कड़ाके की ठंड के बीच कश्मीर और लेह-लद्दाख में झीलें और नदियां जम गई हैं। प्रदेश में पर्वतीय क्षेत्रों में बर्फबारी और मैदानी इलाकों में बारिश हुई। जम्मू संभाग के पटनीटॉप, सनासर, पंचेरी, राजोरी, भद्रवाह के अलावा कश्मीर में श्रीनगर, गुलमर्ग, पहलगाम, कुलगाम, कुपवाड़ा, गांदरबल आदि क्षेत्रों में बर्फबारी हुई। कश्मीर घाटी और जम्मू संभाग के कुछ हिस्सों में भारी बर्फबारी हुई। इससे न्यूनतम तापमान में वृद्धि दर्ज की गई। मौसम विभाग के मुताबिक 22 जनवरी तक आमतौर पर बादल छाए रहेंगे। और हल्की से मध्यम बर्फबारी की संभावना है। कई जगह बारिश के आसार हैं। 23-25 जनवरी से मध्य और उच्च पहाड़ी इलाकों में मध्यम से भारी हिमपात होने की उम्मीद है।

बीजेपी से नजदीकी पर बोले- पार्टी में आते-जाते रहे हैं, पता नहीं मन में क्या है

उपेंद्र कुशवाहा पर सीएम नीतीश बेपरवाह

पटनाः मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जनता दल यूनाईटेड के संसदीय बोर्ड अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा का हालचाल लिया या नहीं, मगर यह जरूर साफ कर दिया कि वह उनके पार्टी में आने-जाने को लेकर परवाह नहीं करते। परवाह नहीं करने वाला बयान देकर मुख्यमंत्री ने यह जता दिया है कि तेजस्वी यादव के डिप्टी सीएम पद के समकक्ष किसी को नहीं लाने के अपने फैसले पर वह कायम हैं और इससे किसी से रिश्ता बिगड़ता है तो भी उन्हें फर्क नहीं पड़ता। हालांकि, उन्होंने कहा भी कि अरे कोई उनसे यह भी कह दीजिए कि हमसे भी बात कर लें। 'भाजपा नेताओं ने उपेंद्र कुशवाहा से एम्स में मुलाकात करने के साथ भाजपा को भी बता दिया और जदयू को भी जता दिया था। मुख्यमंत्री से जब भाजपा नेताओं से कुशवाहा के करीब होने को लेकर प्रतिक्रिया मांगी गई तो उन्होंने कहा कि उनके (उपेंद्र कुशवाहा) के मन में क्या है, यह वही जानें। उन्होंने यह भी कहा कि उनके भाजपा से नजदीकियों के बारे में जानकारी नहीं है, लेकिन यह तो सब जानते ही हैं कि वह पार्टी में आते-जाते रहे हैं। मतलब, दल और दिल बदलते रहते हैं। **कुशवाहा ने डिप्टी सीएम बनने की इच्छा जता दी थीः** मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने खरमास के दौरान उपेंद्र कुशवाहा का सपना एक बार फिर तोड़ दिया था, जब उन्होंने डिप्टी सीएम की कोई वैकेंसी नहीं होने की जानकारी दी थी। कुशवाहा को कुछ मीडिया हाउस संभावित डिप्टी सीएम बता रहे थे और इसी क्रम में कुशवाहा ने भी बिना पूछे इसपर हामी भर दी थी। इस हामी की जानकारी के बाद मुख्यमंत्री ने इसका सीधे-सीधे खंडन कर दिया था। मुख्यमंत्री ने साफ कहा था कि डिप्टी सीएम का पद राष्ट्रीय जनता दल के पास है और इस पद को लेकर उनके पास न कोई प्रस्ताव है और न उनकी तरफ से कोई विचार।

सीएम योगी ने जी-20 रन को दिखाई हरी झंडी

वाराणसी: भारत की अध्यक्षता में होने वाले जी-20 शिखर सम्मेलन के प्रति जागरुकता के लिए शनिवार को आयोजित जी-20 रन (वॉकथान) में बनारस ने पूरे उत्साह के साथ भागीदारी की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सुबह 09 बजे लखनऊ स्थित अपने सरकारी आवास से वर्चुअली हरी झंडी दिखाकर एक साथ चार शहरों लखनऊ, वाराणसी, आगरा और गौतमबुद्ध नगर में जी-20 रन का शुभारंभ किया। इन चार शहरों में जी-20 की बैठकें होने वाली हैं। वाराणसी के सिगरा स्थित रुद्राक्ष कंवेंशन सेंटर से शुरू वॉकथान साजन तिराहा, फातमान, मलदहिया पटेल प्रतिमा से होकर महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ में गांधी प्रतिमा पर जाकर समाप्त हुआ। राज्यमंत्री डॉ. दयाशंकर मिश्र 'दयालु', कैंट विधायक सौरभ श्रीवास्तव, कमिश्नर कौशलराज शर्मा और जिलाधिकारी एस राजलिंगम ने इस वॉकाथन की शुरूआत की। इसमें खिलाड़ी, पीआरडी जवान, स्कॉउट गाइड, व्यापार मंडल, उद्योग, होटल, स्कूली बच्चों के साथ सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों ने बढ़चढ़ कर भाग लिया। खेल विभाग की ओर से आयोजित रैली के पूर्व मानव श्रृंखला के जरिए सिगरा स्टेडियम में जी-20 के लोगो का अनावरण किया गया। सिगरा रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर में युवतियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। इसके बाद वॉकथान की शुरूआत हुई। पूरे रास्ते में पीएसी बैंड पर देशभक्ति धुन बजाई गई। उल्लेखनीय है कि जी-20 शिखर सम्मेलन के लिए काशी में होने वाले आयोजनों को भव्य रूप देने की तैयारी चल रही है। नगर निगम की ओर से नौ मार्गों के 18 तिराहे और चौराहों की डिजाइन फाइनल कर दी गई है। यहां पर जी-20 थीम पर सजावट के कार्य कराए जाएंगे। पूरी डिजाइन जी-20 थीम पर है। इसमें 20 देशों के झंडे भी लगाए जाएंगे। कहीं पर हरियाली तो कहीं पर आकर्षक लाइटिंग लगेगा। इसमें

बदरीनाथ यात्रा पर संकट, औली में विंटर गेम पर संशय बरकरार

देहरादूनः चारधाम यात्रा के दौरान देश दुनिया से सबसे अधिक तीर्थयात्री बदरीनाथ मंदिर में दर्शन के लिए आते हैं। कोविड महामारी के दो साल बाद 2022 की चारधाम यात्रा में 8 मई से 19 नवंबर 2022 तक बदरीनाथ धाम में 17.50 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने दर्शन किए। इस बार भी अप्रैल-मई में शुरू होने वाली यात्रा के लिए जहां सरकार व पर्यटन विभाग पहले से तैयारियां में जुट गया है। वहीं, जोशीमठ आपदा से बदरीनाथ धाम की यात्रा सरकार के लिए चुनौती बन गई है।

औली में विंटर गेम होंगे या नहीं, संशय बरकरारः जोशीमठ शहर के ठीक ऊपर औली की ढलानों पर फरवरी पहले सप्ताह में प्रस्तावित विंटर गेम (शीतकालीन खेलों) के आयोजन पर संशय बना हुआ है। जोशीमठ में भू-धंसाव से वर्तमान में जिस तरह की हालात हैं। उसे पर्यटन कारोबार प्रभावित हुआ है। बाहरी राज्यों से आने वाले पर्यटकों में जोशीमठ आपदा के कारण पर्यटन को लेकर गलत संदेश न जाएं। इसके लिए सरकार औली में विंटर गेम कराने का प्रयास कर रही है।

खबर संक्षेप

चोरों ने स्कूल के बाहर खड़ी छात्र की साइकिल किया गायब

मेजा रोड। बेखौफ चोर ने स्कूल के बाहर खड़ी छात्र की साइकिल को किया पार कर दिया घटना चौराहे पर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। मेजा थाना क्षेत्र के मेजा रोड पुलिस चौकी अंतर्गत डेलौहा गांव का छात्र सतीश कुमार शुक्रवार दोपहर मेजारोड स्थित बद्रीनाथ तिवारी इंटर कॉलेज के बाहर अपनी रेंजर साइकिल खड़ी कर स्कूल के अंदर चला गया 10 मिनट के बाद जब वह बाहर निकला तो मौके से उसकी साइकिल गायब रही। छात्र साइकिल की तलाश में काफी देर इधर-उधर भटकता रहा लेकिन साइकिल का कुछ पता नहीं चल सका ।वही भुक्तभोगी छात्र ने जगह-जगह लगे सीसीटीवी कैमरे में चेक किया तो साइकिल चोर साइकिल ले जाते हुए सीसीटीवी कैमरे में कैद दिखाई दिया। भुक्तभोगी छात्र ने मेजारोड चौकी पर मामले की जानकारी से अवगत कराया है। बता दे की मेजा क्षेत्र में आए दिन चोरी छिनैती की घटनाएं घटित होती रहती हैं।

महोत्सव सामाजिक सौहार्द व समरसता का देते हैं संदेश : संदीप पटेल

अखंड भारत संदेश

जहां हर रंग के फूल गुलशन हमारा है करेगा जो हमें बदनाम वह दुश्मन हमारा है : इमरान

रत्योरा। महोत्सव आयोजन के कुछ मकसद होते हैं, निश्चित तौर पर युवा महोत्सव अपने मकसद में कामयाब होकर आसपास के लोगों एवं क्षेत्रीय प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने में मददगार साबित होगा। महोत्सव के आयोजन से सामाजिक सौहार्द व समरसता का संदेश मिलता है। यह बातें मेजा विधानसभा से समाजवादी पार्टी के विधायक संदीप पटेल ने क्षेत्र के रत्यौरा मोड़ बड़ोखरा में आयोजित युवा महोत्सव को संबोधित करते हुए बतौर मुख्य अतिथि कही। विधायक संदीप पटेल ने कहा कि यह किसान बाहुल्य क्षेत्र है। किसान इस समय संकट के दौर से गुजर रहा है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में भी किसान परेशान है। उन्होंने समय को पहचानने की अपील की। कहा कि युवा महोत्सव से गांवों में छिपी प्रतिभाएं भी निकलेंगी और प्रदेश एवं देश में अपना राम नाम रोशन करेंगी। युवा महोत्सव के दूसरे दिन शनिवार को सुबह 10 बजे से गायन नृत्य प्रतियोगिता तथा राहुल शुक्ला के गीत हुए। तत्पश्चात विराट कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया कवि सम्मेलन की शुरूआत सरस्वती वंदना से कवियित्री पूनम श्रीवास्तव ने की। पहले कवि के रूप में कवि कृष्णा कांत कामिल ने काव्य पाठ करते हुए बलाएं भाग जाती हैं जो मां के पांव छूते हैं कि लाइने पेश कर पूरे पांडाल को भावविभोर कर दिया। कवि नरसिंह साहसी ने हास्य व्यंग की कविताएं पढ़ते हुए देश अपना है इसे लूट कर खा जाओ काला धन सफेद कर खा जाओ की लाइनें पेश की। कवि इमरान बनारसी ने शायरी पढ़ते हुए कहा कि हाथ कट भी जाए तो कुछ गम नहीं जब भी लिखो तो सच्ची कहानी लिखो लाइनों पर पंडाल में बैठे लोग तालियां बजाने के लिए मजबूर हो गए। इसी प्रकार कवियित्री पूनम श्रीवास्तव ने हास्य वियोग व श्रृंगार रस की कविताएं पेश कर खूब वाहवाही लूटी। इसी प्रकार वीर रस के कवि बबलू सिंह बहियारी ने देशभक्ति कविताएं पढ़ते हुए आजादी की लड़ाई में शहीद हुए अमर सपूतों पर प्रकाश डाला। इसी प्रकार का सुशील शुक्ला हर्ष, समीम गाजीपुरी आदि कवियों ने अपनी कविताओं से दर्शकों और श्रोताओं को खूब गुदगुदाया। कवि सम्मेलन का सफल संचालन हास्य व्यंग के मशहूर कवि अशोक बेशरम ने किया। युवा महोत्सव के दूसरे दिन एक्यूरा क्रिटिकल केयर हॉस्पिटल की प्रबंधक डॉ इलाक्षी शुक्ला व संकर क्लीनिक के प्रबंधक डॉ राम सिया सिंह की ओर से निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया जहां लोगों के आंख कान नाक गला का परीक्षण कर निशुल्क दवाएं भी वितरित की गई। महोत्सव के दूसरे दिन मुख्य अतिथि रहे मेजा विधायक संदीप पटेल को कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि रहे राम अवध कुशवाहा पूर्व ब्लाक प्रमुख, पूर्व जिला पंचायत सदस्य सोमदत्त सिंह पटेल, संस्थापक आयोजक कुमार कपिल की ओर से स्मृति चिन्ह भी दिया गया। इस दौरान उपस्थित लोगों में प्रमुख रूप से आयोजन के संरक्षक मुन्ना सिंह, संरक्षक राजेश त्रिपाठी, रक्षा मंत्री यादव, राजू चौबे, जिला पंचायत सदस्य पिंटू चौबे, राकेश सिंह, राज बहादुर सिंह, डॉ अनिल पांडेय, पवन सिंघाल पटेल, ओमप्रकाश कुशवाहा, शैलेश सिंह शैलू, रविंद्र जैसल, अमरेंद्र वर्मा, अनिल मौर्य समेत भारी संख्या में क्षेत्रीय गणमान्य लोग ग्राम प्रधान क्षेत्र पंचायत सदस्य व भारी संख्या में क्षेत्रीय दर्शक व श्रोता मौजूद रहे।

विदेश भेजने के नाम पर लाखो की ठगी, मुकदमा दर्ज

मऊआइमा। विदेश भेजने के नाम पर एक युवक अपनी बातों में फंसा कर एक से गूगल पे अन्य नगदी पैसा कुल चार लाख सत्ताईस हजार सात सौ 95 रुपया ऐंठ लिया। जबकि वीजा नहीं आया तो युवक के घर पहुंच गया। बाद में जालसाज ने घर पर चढ कर जमकर पीटा और कहीं शिकायत पर जान से मारने की धमकी भी दी। भुक्भोगी ने मऊआइमा थाने में एक नामजद एक अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया है। मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम सराय केशव उर्फ बागी निवासी मोहम्मद फहीम पुत्र स्वर्गीय मंजूर अहमद का कहना है कि एक युवक उसके गांव आता जाता था जहां उससे पहचान बन गई तो युवक अपनी मीठी मीठी बातों में फंसा कर कहा कि उससे सऊदी अरब में बडे बडे लोगों से पहचान है। गांव में क्या रखा है। तथा सऊदी अरब में जा कर अच्छी कमायी कर सकते हो। मोहम्मद फहीम का आरोप है कि वह उसकी बातों में फंस गया।वीजा के नाम पर 30अप्रैल 2022 को उसने गूगल पे से एक लाख सत्ताईस हजार 95 रूपया तथा नगदी तीन लाख दे दिया। काफी दिन गुजर जाने के बाद युवक के घर गया तो वह जल्द वीजा आने की बात कह कर टरका दिया। मोहम्मद फहीम का आरोप है कि 4 जनवरी 2023 उक्त युवक अपने साथियों के साथ मुंह में गमछा बांध कर बागी गांव आया। और मारने पीटने लगा बोला कि यदि कहीं शिकायत किए तो जान से मार दूंगा। तथा पैसा भूल जाओ। मोहम्मद फहीम ने मऊआइमा थाने में मकसूद आलम पुत्र स्वर्गीय गुलाम मोहम्मद ग्राम फतूहा थाना सराय इनायत प्रयागराज तथ अन्य अज्ञातों के खिलाफ अमानत में ख्यानत एंव जान से मारने सहित अन्य संगीन धाराओं में मुकदमा दर्ज करा दिया है।

अमावस्या पर्व पर जिला अपराध निरोधक समिति सदस्यों ने पुलिस प्रशासन का किया सहयोग

अखंड भारत संदेश

नैनी। शनिवार को मोनी अमावस्या के स्नान पर्व पर जिला अपराध निरोधक समिति के सैकड़ो स्वयंसेवकों द्वारा सम्पूर्ण मेला क्षेत्र संगम नोज, गंगा घाटों,पालटून पुलों , हनुमान मंदिर, अरैल ,झूँसी बसअड्डों एवम रेलवे स्टेशनो पर आए हुए श्रद्धालुओं एवम स्नानार्थियों की मुस्तैदी से सेवा में लगे रहे। स्वयं सेवकों द्वारा मेले में दर्जनों भूले भटके लोगों को उनके परिजनों से मिलवाया एवम कुछ डूबते हुए स्नानार्थियों को जल पुलिस की मदद से बचाया । इसी सेवा में मोबाइल टीमें कुलदीप धर सर जी के नेतृत्व में विशाल श्रीवास्तव, प्रशांत सिंह रोहित सिंह विपिन कुशवाहा और मनीष विश्वकर्मा यातायात को निरन्तर रखने में प्रशासन के साथ मिलकर सहयोग में लगी रही अपने सदस्यों के साथ यूथ टीम नैनी से यूथ टीम प्रभारी मनीष विश्वकर्मा नेतृत्व पर सदस्यगण लगे रहे जिसमें सहायक यूथ टीम प्रभारी बलराम मिश्रा क्षेत्रीय कमेटी प्रभारी बंसराज पाल, नितिन श्रीवास्तव, अभिषेक मिश्रा, शशांक मिश्रा, सोनू भारतीय, शैलेन्द्र मौर्य, लक्ष्मीनारायण गौतम, राम कुमार पाल,विकास कुमार सिंह, गर्वित श्रीवास्तव, बबलू अली, प्रीत पांडेय आदि सदस्यगण उपस्थित थे दूसरी और केन्द्रीय कमेटी से पदाधिकारी एवं सदस्यगण लगे रहे जिसमें ऋषिराज निषाद राजा भैया निषाद कयामुद्दीन सरोज चौधरी विभा चौधरी विनोद स्वर्णकार हरविंन्दर सिंह आतिश कुमार यादव वकार अंसारी मीरा सिन्हा राकेश शर्मा आदि टीम गण इस सेवा में उपस्थित है और आगे भी गंगा स्नान पर्व के मौके पर जिला अपराध निरोधक समिति की टीम अपनी सेवा प्रशासन के साथ मिलकर सेवा आगे भी देती रहेगी।

पुलिस प्रशासन एवं एसपीओ टीम ने मौनी अमावस्या पर्व संपन्न कराया

अखंड भारत संदेश

नैनी। मौनी अमावस्या स्नान पर्व के अवसर पर आम जनता के सुरक्षा की दृष्टिगत पुलिस प्रशासन के साथ उतरी एसपीओ पुलिस मित्र की टीम पुलिस उपायुक्त यमुनानगर उप जिलाधिकारी करछना एसीपी करछना अजीत सिंह चौहान प्रभारी निरीक्षक कोतवाली नैनी बृजेश सिंह एवं सीनियर एसएसआई अजय कुमार सिंह व समस्त चौकी इंचार्जों के आदेशानुसार एवं एसपीओ पुलिस मित्र टीम के प्रभारी अभय राज सिंह के निर्देशन में एसपीओ माघ मेला प्रभारी रवि मिश्रा के अगुवाई में मोनी अमावस्या स्नान पर्व को सकुशल प्रशासन की देखरेख में संपन्न कराया जिसमें विभिन्न बैरिकेडिंग पर एसपीओ की टीमें लगाई गई। वीआईपी घाट पर एसपीओ प्रभारी अभय राज सिंह ने अपनी टीम के साथ मौजूद रहे।, घाटों का भ्रमण एसपीओ मेला प्रभारी रवि मिश्रा ने जनसंपर्क अधिकारी शेख लियाकत अली के साथ मिलकर घाटो का भ्रमण कर,मेला यातायात व्यवस्था,भीड़ नियंत्रण,शांति व्यवस्था,भूले भटके को सीनियर एरिया इंचार्ज रामजी जयसवाल ने मिलवाया वा सभी एरिया इंचार्जजो ने भ्रमण कर शांति व्यवस्था बनवाई। वीआईपी घाट पर मौजूद प्रयागराज की मेयर अभिलाषा गुप्ता ने की एसपीओ टीम की प्रशंसा उपस्थित\ एसपीओ टीम के जवान एसपीओ प्रभारी अभयराज सिंह उप प्रभारी परवेज अहमद,माघ मेला प्रभारी रवि मिश्रा,जनसंपर्क अधिकारी शेख लियाकत अली, वीरेंद्र पटेल, संदीप विश्वकर्मा, रामजी जयसवाल प्रदीप कुमार, पंकज मलिक, राकेश सोनकर, रमेश चंद केसरवानी, सुशील शर्मा, विवेक पाल दिनेश केसरवानी, नौशाद अहमद, मनीष सिंह, राजू साहनी, अश्वनी शर्मा, मोहम्मद फिरोज, अरविंद कुमार, मोहम्मद आरिफ, धर्मराज पटेल, सुजल केसरवानी, उपेंद्र सिंह, संजीव वर्मा, राजीव वर्मा , वसीम खान, रहमान, विशाल जयसवाल आदि रहे।

न्यूज झरोखा

मऊआइमा के अरकम इस्तियाक बने समीक्षा अधिकारी

मऊआइमा। यूपी सर्विस कमीशन प्रयागराज से अरकम इस्तियाक ने समीक्षा अधिकारी की परीक्षा में सफल होने पर क्षेत्र में खुशी की लहर व्याप्त है। बता दें कि मऊआइमा कस्बा के मोहल्ला आजमपुर निवासी अरकम इस्तियाक पुत्र मोहम्मद इस्तियाक ने यूपी सर्विस कमीशन प्रयागराज से समीक्षा अधिकारी के पद में सफलता हासिल की। जिसकी खबर परिजनों और मऊआइमा कस्बा में लगी क्षेत्र में खुशी की लहर दौड गयी। मोहम्मद अरकम की माता शिक्षक हैं। पिता मोहम्मद इस्तियाक घर पर रहते हैं। अरकम दो भाईयों में सबसे बडा है छोटा भाई अयजन अंसारी, दो बहनें छोटी हैं शिक्षा ग्रहण कर रही हैं। माता सरकारी शिक्षक हैं। अरकम इस्तियाक एक बुनकर अंसारी परिवार से तालुलक रखते हैं। सन 2021 की परीक्षा का परिणाम आने की खबर जब अरकम को लगी तो वह काफी खुश थे। अरकम के समीक्षा आधिकारी(रिव्यू अफसर) परिक्षा में आने से मऊआइमा कस्बा के लोगों में हर्ष व्याप्त है। इस अवसर पर पूर्व चेयरमैन शोएब अंसारी ,अय्यूब अंसारी ,नदीम इंतेखाब ,मौलाना फजलुर्रहमान कासमी।,नूर उद्दीन सैफी ,राशिद लतीफ ,इरशाद ,ताज उद्दीन सिद्दीकी ,राजू आदि बडी संख्या ने बधाई दिया है।

शिवाजी पार्क में बॉलीबाल प्रतियोगिता का शुभारंभ

नैनी। शिवाजी खेलकूद जनहित समिति की ओर से शिवाजी पार्क नैनी एडीए कॉलोनी में वालीबाल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। शनिवार को महाकाल स्पोटिंग नैनी एवं देव स्पोर्ट्स बसवार के बीच में खेला गया। जिसका उद्घाटन जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि अरवल, बिहार सुधीर शर्मा ने किया। इस अवसर पर सुधीर शर्मा ने बताया कि ऐसे आयोजन होने से खिलाड़ी का मनोबल बढ़ता है।सुधीर शर्मा ने सभी खिलाड़ियों से हाथ मिलाकर सभी का परिचय प्राप्त किया। इस कार्यक्रम में मंटू सिंह ,वंश नारायण सिंह,मोनू सिंह,प्रभात कुमार राय, मनोज राय, संजय राय, पंकज शुक्ला, राजनारायण सिंह सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

मेजा एंटी रोमियो टीम द्वारा चलाया गया नारी सुरक्षा अभियान

मेजा रोड। कोतवाली मेजा की एंटी रोमियो स्क्वायड की टीम द्वारा शासन द्वारा नारी सुरक्षा, नारी सम्मान, नारी स्वावलंबन, महिला कल्याण के प्रति चलाए जा रहे अभियान मिशन शक्ति के तहत विभिन्न स्थानों पर महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरुक किया गया। महिलाओं, बालिकाओं, छात्राओं को नारी सुरक्षा, नारी स्वावलंबन एवं नारी सम्मान की दिशा में चलाई जा रही पुलिस की महिला सुरक्षा सम्बंधी विभिन्न महिला हेल्प लाइन 1090, यूपी - 112, हेल्पलाइन 1076,108 आदि के बारे में जानकारी देते हुए जागरुक किया गया। सभी महिलाओं, बालिकाओं, छात्राओं को किसी भी विषम परिस्थिति में तत्काल उक्त दिए गए नंबरों पर कॉल कर पुलिस को सूचित करने के बारे में आह्वान किया। साथ ही साथ बालिकाओं, महिलाओं को हेल्पलाइन नम्बर का निर्भीक होकर उपयोग करने हेतु तथा महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने व निर्भीक होकर अपने अपने क्षेत्र में कार्य करने, शिक्षा ग्रहण करने के लिये प्रेरित किया गया। साथ ही एंटी रोमियो स्क्वाड द्वारा बैंको और चौराहों पर बेवजह घूम रहे युवकों, शोहदों से पूछताछ कर चेतावनी भी दिया गया।

उत्कृष्ट उद्यमियों को दिया जायेगा पुरस्कार

प्रयागराज। परिक्षेत्रीय ग्रामोद्योग अधिकारी राम औतार यादव ने बताया है कि उ0प्र0 राज्य सरकार द्वारा गठित उ0प्र0 माटी कला बोर्ड के आदेश/निर्देश के अनुपालन में प्रयागराज मण्डल के अन्तर्गत आने वाले जनपद-प्रयागराजए फतेहपर, कौशाम्बी व प्रतापगढ़ के ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों के माटीकला उद्योग में उत्कृष्ट कार्य करने वाले उद्यमियों/शिल्पकारों को वित्तीय वर्ष- 2022-23 हेतु दिनाँक-29.01.2023 को प्रातः 10.00 बजे पुरस्कार चयन आदि की कार्यवाही प्रारम्भ की जायेगी। इसमें माटीकला की लघु प्रदर्शनी में प्रतिभागियों द्वारा तैयार किये गये उत्पादों में से उत्कृष्ट उत्पादों का चयन माटीकला फाइन आर्टस के विशेषज्ञो/समिति के माध्यम से किये जाने के उपरान्त चयनित शिल्पियों को प्रथम,द्वितीय व तृतीय पुरुस्कार स्वरुप धनराशि क्रमशः रु0-15000.00/ रु0-12000.00 व रु0-10000.00 से सम्मानित किया जायेगा। पुरुस्कार की धनराशि पुरुस्कार विजेता को रेखांकित चेक/आर0टी0जी0एस0/नेफ्ट के माध्यम से वितरित की जायेगी। अतः जनपद प्रयागराज, फतेहपुर, प्रतापगढ़ व कौशाम्बी के इच्छुक माटीकला के कारीगर अपना आवेदन पत्र सम्बंधित जनपद के जिला ग्रामोद्योग कार्यालय से आवेदन फार्म लेकर जमा कर सकते है। विशेष जानकारी के लिये सम्बंधित जनपद के जिला खादी ग्रामोद्योग अधिकारी से सम्पर्क कर सकते है। जनपद प्रयागराज-9580503176, जनपद-फतेहपुर 6386305972, जनपद कौशाम्बी-9580503177, जनपद प्रतापगढ़-9580503178। कार्यक्रम स्थल-माघ मेला प्रदर्शनी 2023, परेड ग्राउन्ड, किला गेट के सामने प्रयागराज।

गरीबों की सेवा करना सबसे बड़ा धर्म डा. दिव्यांक पाण्डेय

अखंड भारत संदेश

मौनि अमावस्या : सैकड़ों गरीबों बेसहरा महिलाओं को समाजसेवी ने बांटे कम्बल

नैनी। मौनि अमावस्या के दिन ठंड से राहत के लिए मलिन बस्तियों की सैकड़ों गरीबों बेसहरो महिलाओं को वितरित किया गया कम्बल ' दिव्या फार्मास्यूटिकाएल लिप्रोसी मिशन के पूर्व चिकित्सक डॉक्टर दिव्यांक पाण्डेय और वार्ड 66 के पार्षद पति मेराज उद्दीन उर्फ मक्खन भाई के द्वारा नैनी के मलिन बस्तियों की गरीब बेसहारो महिलाओं को बाटे गए कम्बल नैनी स्टेशन रोड पे डॉक्टर दिव्यांक पाण्डेय की क्लिनिक पे मेराज उद्दीन उर्फ मक्खन भाई की अध्यक्षता में गरीबों मजदूरों बेसहारों को बाटे गए कम्बल इस मौके पर मेराज उद्दीन मक्खन भाई ने कहा कि लोगो की सेवा करना ही सबसे बड़ा धर्म है और उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षो की तरह हमेशा ऐसे ही आगे भी लोगो की सेवा के लिए कार्य करते रहेंगे कोरोना काल में भी हम लोगो ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया था और हमारी यही प्राथमिकता है की समाज के लिए शिक्षा स्वास्थ्य गरीब बेसहरो की मदद समाज की सेवा आपसी भाईचारा और राष्ट की एकता और अखंडता को बनाए रखने के लिए आगे भी कार्य करते रहेंगे 'और पार्षद पति ने कहा मौनी अमावस्या को दिन कड़ाके की ठंड को देखते हुए लोगो को ठंड से बचने के लिए कम्बल बाटे और हर चौराहे पे अपनी तरफ से अलाव जलाने की व्यवस्था की इस मौके पर मौजूद रहे मुख्य रूप से तारिक आफताब कुचु पाण्डेय अफजल खान यतेन्द्र सिंह आकिब सिद्दीकी मिस्बा नायाब मकसूद फैज खान सरफराज सज्जू आदि रहे।

मेजा में मानंद स्मारक वॉलीबाल प्रतियोगिता 3 फरवरी से

ऐतिहासिक क्षेत्रीय वॉलीबाल स्टेडियम में नामी-गिरामी टीमें करेगी शिरकत

मेजा रोड। ग्राम सभा सोरांव पाँती के सार्वजनिक वॉलीबाल खेल मैदान के क्षेत्रीय वॉलीबाल स्टेडियम में सोरांव यूथ क्लब मेजा के तत्वावधान में आगामी 3 फरवरी से 5 फरवरी 2023 तक अंतरराष्ट्रीय वॉलीबाल खिलाड़ी स्व.प्रोफेसर प्रेमानंद श्रीवास्तव जी कि स्मृति में " आमंत्रण वॉलीबाल प्रतियोगिता " शुरू होने जा रही है। उक्त आशय की जानकारी आयोजन समिति के अध्यक्ष राहुल द्विवेदी एवं प्रतियोगिता के संयोजक बाबा ओझा ने सँयुक्त रूप से एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी है। आयोजकों के अनुसार प्रतियोगिता जिला वॉलीबाल संघ, प्रयागराज से संबद्ध एवं मान्यता प्राप्त है। उक्त तीन दिवसीय वॉलीबाल प्रतियोगिता में आयोजन समिति द्वारा क्षेत्रीय टीमों के साथ-साथ जिले की ख्यातिलब्ध टीमों को भी विशेष रूप से आमंत्रित किया गया है।

चाय का ठेला लगाकर जीवन यापन करने वाले की टेंन से कट कर मौत

सरकारी अस्पताल परिसर में चाय का ठेला लगाकर अपना जीवन यापन करता था मृतक

करछना। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र करछना परिसर में विगत कई वर्षों से चाय का ठेला लगाने वाले सियाराम प्रजापति 48 वर्ष दोपहर शनिवार को घर से किसी बात से नाराज होकर बसरिया गांव स्थित पुलिया के पास दिल्ली रेल मार्ग पर सामने से आ रही ट्रेन के सामने कूदकर आत्महत्या कर ली घटना की जानकारी होने पर परिजनों में रो रो कर बुरा हाल हो गया सूचना पाकर पहुंची करछना पुलिस शव का पंचायत नामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया सियाराम प्रजापति विगत 10 वर्षों से अस्पताल करछना परिसर में चाय का ठेला लगाता था आने वाले मरीजों को चाय और बिस्कुट नाश्ता कराया करता था इसी से उसके बच्चों का भरण पोषण किया करता था, ठेले पर उसकी पत्नी व उसके दो बच्चे भी हाथ बटाते थे घर की माली हालत ठीक ना होने के कारण वह सरकारी अस्पताल परिसर में चाय का ठेला लगाकर अपना जीवन यापन करता था घटना से उसके परिजनों में कोहराम मच गया? घटना की सूचना पर पहुंचे गांव के प्रधान प्रतिनिधि अवतार किशन सिंह एडवोकेट अध्यक्ष प्रधान संघ करछना एवं पूर्व ब्लाक प्रमुख विजय राज सिंह व कयी गणमान्य लोगों ने परिजनों को सांत्वना दिलाया और सरकार से हर संभव मदद का दिलासा दिया, बताया जाता है किसी बात को लेकर नाराज होकर दोपहर घर से 1:00 बजे निकला था घर से 1 किलोमीटर दूरी पर बसरिया गांव के पास रेलवे लाइन पुलिया पर आती हुई सामने ट्रेन से कूदकर आत्महत्या कर ली।

रात भर सड़क के किनारे पड़ा रहा बसहरा का शिवम, नहीं बची जान

अखंड भारत संदेश

शंकरगढ़। शंकरगढ़ थाना क्षेत्र के रानीगंज मार्ग के किनारे एक युवक रात भर सड़क के किनारे पड़ा रहा। उसके मुंह से झाग निकल रहा था,108 एम्बुलेंस से सीएचसी शंकरगढ़ ले जाया,जहाँ एसआरएन के लिये रिफर किया गया,लेकिन उसकी जान नहीं बचाई जा सकी। प्राप्त जानकारी के मुताबिक शंकरगढ़ थाना क्षेत्र के बसहरा उपरहार का शिवम प्रताप सिंह 22 वर्ष पुत्र जितेंद्र प्रताप सिंह अपने कुछ मित्रों के साथ शुक्रवार को शंकरगढ़ बाजार आया था।बताया जा रहा है कि वह अपने मित्रों के साथ देर रात तक रानीगंज के क्रिकेट के मैदान में बैठकर शराब पिया।उसके बाद उसने अपने मित्रों से यह कहा कि अब वह अपने मामा के यहां जाएगा।इतना सुन उसके मित्र उसे रेलवे फाटक के पास छोड़कर अपने गांव वापस आ गए। सुबह वह शंकरगढ़ नारीबारी रोड के किनारे रानीगंज में बेहोशी के हालत में पड़ा हुआ मिला। उसके मुंह से झाग बह रहा था। मोहल्ले वालों ने देखा तो उन्होंने 108 नंबर तथा स्थानीय पुलिस को सूचना दी ।मौके पर आई पुलिस ने एंबुलेंस में उसे लादकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शंकरगढ़ ले आई। जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर प्रयागराज के लिए रिफर कर दिया गया।घटना की जानकारी होने पर परिजन भी मौके पर आ गए।वह भी साथ में प्रयागराज के लिए रवाना हुए।लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो जाने पर परिजन लाश को लेकर वापस घर चले आए। शिवम प्रताप सिंह तीन भाइयों में सबसे छोटा था।गांव वालों के अनुसार वह नशे का आदी था। शिवम की मौत से उसके घर वालों का रो रो कर बुरा हाल है।

अपने जीवन की सार्थकता को समझें, प्रभु प्रेम में समर्पित करें : माता अन्नपूर्णा

अखंड भारत संदेश

सहसों। श्री राम चरित मानस सम्मेलन समिति के तत्वावधान में सहसों बाजार स्थित संगीतमय चल रही नौ दिवसीय रामकथा के दूसरे सत्र में शिव पार्वती विवाह की कथा का सजीव वर्णन किया गया। कथा का शुभारंभ सहसों निवासी सूर्यकांत तिवारी द्वारा दैनिक यजमान के रूप में व्यासपीठ भगवान राम एवं मानव भगवान की पूजन कर किया। पूजन के पश्चात श्री शक्ति धाम मैहर मध्य प्रदेश से पधारीं कथावाचक साध्वी माता अन्नपूर्णा जी ने भगवान दीनदयाल मयार्दा पुरुषोत्तम श्री राम की वंदना के बाद उपस्थित श्रोताओं को भक्तिमय राम कथा का श्रवण कराते हुए कहा कि पार्वती जी के छोटी उम्र में तप और भजन करने के सुंदर प्रसंग से श्रोताओं को आनंदित किया। उन्होंने कहा कि व्यक्ति को समय रहते भजन में लग जाना चाहिए क्योंकि जीवन का कोई पता नहीं,जीवन की क्षणभंगुरता इस बात की पर्याय है कि भजन करने का जो समय मिले वही उचित है क्योंकि बुढ़ापे में भजन नहीं हो पाते। उस समय शरीर में व्याधि उत्पन्न हो जाती है। शिव पार्वती विवाह का कथा सुनाते हुए प्रसंग के माध्यम से कथा व्यास साध्वी माता अन्नपूर्णा ने कहा कि व्यक्ति को जीने का तरीका तब आता है जब उसका जीवन चला जाता है। इसलिए कथा एवं सत्संग के माध्यम से तथा गुरु की सानिध्य में हम अपने जीवन की सार्थकता को समझें और समय के साथ अपने जीवन को भक्ति के साथ और प्रभु भजन में समर्पित करें। कथा में सती के द्वारा प्रभु श्रीराम का अपमान करने एवं सती के द्वारा उनकी परीक्षा लेने के कारण भगवान शिव ने सती का त्याग कर दिया। तत्पश्चात मरते हुए सती ने यही प्रार्थना किया कि मुझे जन्म जन्मांतर में शिव ही पति रूप में मिलें। उसके पश्चात उनका जन्म हिमाचल के यहां हुआ और उन्होंने अपने त्याग और तपस्या से भगवान शिव को पति रूप में पाया। पश्चात कथा व्यास ने भगवान शिव और पार्वती की विवाह की रोचक और प्रासंगिक कथा को श्रोताओं ने सुनकर आनंदित हो गए। और "राम कथा गंगा सुगम बहि जाए अजी कोई कोई नहाए,, ब्रह्मा जी नहाए विष्णु जी नहाए नारद बाबा नहाए आपन बीणा बजाए।। सुंदर भजन पर श्रोता भक्त नर नारी झूम उठे। कथा विश्राम पर श्री राम चरित मानस सम्मेलन समिति के अध्यक्ष एवं आयोजक सहित समस्त श्रोताओं ने भगवान राम एवं व्यासपीठ तथा मानस भगवान की संकीर्तन के साथ आरती उतारी, तत्पश्चात प्रसाद का वितरण किया गया। इस अवसर पर आशीष केसरवानी, राजेंद्र केसरवानी, शिवाजी इंटरमीडिएट कॉलेज प्रबंधक तीरथ सिंह, रविंद्र शास्त्री, पंडित दिनेश चन्द्र तिवारी, जय कृष्ण सोनी, जयेश केसरवानी, नितिन केसरवानी, डॉ राकेश केसरवानी, आनंद केसरवानी, श्याम धर द्विवेदी, फूल चंद्र साहू , संजय अग्रहरि, राजकुमार सिंह, आकाश केसरवानी सहित काफी संख्या में उपस्थित भक्तों ने अमृतमयी कथा का रसपान किया।

मौनी अमावस्या

दो करोड़ श्रद्धालुओं ने संगम में लगाई डुबकी

चप्पे-चप्पे पर कमांडोज-स्नाइपर्स रहे तैनात, चार पहिया वाहनों से खचाखच भरा रहा पार्किंग स्थल

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। मौनी अमावस्या पर शनिवार को संगम क्षेत्र में भक्ति के बहाव में भावों के सारे तटबंध टूट गए। न ठिठुरन को जोर चला, न बारिश ही आस्था के कदमों को डिगा सकी। संगम हो या गंगा के घाट या फिर पांटून पुलों पर बढ़ता कारवां। हर तरफ भक्ति का सागर हिलोरें मारता रहा। मिलते, बिछड़ते एक-दूसरे का हाथ पकड़े श्रद्धालु संगम पर पहुंचते रहे। देर शाम तक मेला प्रशासन ने 2.09 करोड़ श्रद्धालुओं के स्नान का दावा किया। इस दौरान संगम पर हेलिकॉप्टर से पुष्पवर्षा कर योगी आदित्यनाथ सरकार ने स्नान पर्व की भव्यता में चार चांद लगा दिया। घाटों पर मनौतियां मानने वाले ढोल-ताशे के साथ डुबकी लगाने पहुंचे। पुण्य की डुबकी लगाने के लिए लाखों श्रद्धालुओं के रेला के बीच संगम समेत काली, त्रिवेणी और मोरी मार्गों पर बने स्नान घाट और पांटून पुलों पर रेला चलता रहा। कड़ाके की ठंड के बावजूद आधी रात से ही 17 घाटों पर मौन डुबकी की होड़ मच गई। चार बजे भोर में गंगा, यमुना, अदृश्य सरस्वती के संगम पर कपड़े रखने तक की जगह नहीं बची।जार्जटाउन और केपी

कॉलेज के पास बैरिकेडिंग कर वाहनों का संगम मार्ग पर प्रवेश रोक दिया गया था। तीन से चार किमी तक पैदल चलने के बाद भी किसी के चेहरे पर थकान नहीं रही। हर तरफ से अमावस्या स्नान के लिए समूहबद्ध श्रद्धालुओं की टोलियां हाथों में तरह-तरह के झंडे लिए चलती रहीं तो कहीं एक -दूसरे का हाथ थामे लोग बढ़ रहे थे। सिर पर गठरी और हाथ में झोला।कोई रस्सी के घेरे में चल रहा था तो कोई गमछे को थाम कर तलता रहा। महिलाएं समूहों

मौनी अमावस्या पर अक्षयवट-सरस्वती कूप में दर्शन स्थगित

मौनी अमावस्या देश के कोने-कोने से पहुंचे श्रद्धालु अक्षयवट और सरस्वती कूप का दर्शन करने से वंचित रह गए। स्नान पर्व पर भीड़ को देखते हुए शनिवार को मूल अक्षयवट और सरस्वती कूप को आम श्रद्धालुओं के लिए नहीं खोला गया। इस वजह से हजारों श्रद्धालुओं को वापस होना पड़ा। इस दौरान किले में स्थिति अन्य देवी-देवताओं के भी दर्शन आम भक्त नहीं कर सके।

में स्नान के बाद दीप जलाती और गंगा गान करती रहीं। शिविरों में कीर्तन-कथाओं की गूंज मचती रही। कहीं अखंड कीर्तन तो कहीं यज्ञ वेदियों पर हवन से विश्व कल्याण की कामना की जाती रही। संतों की टोलियां ढोल, मंजीरे पर भजन करने में लीन रहीं।2.09 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं के संगम पर डुबकी लगाने का मेला प्रशासन ने किया दावा 04 राउंड हेलिकॉप्टर से संतों-भक्तों पर की गई पुष्प वर्षा। 155 सीसीटीवी कैमरों से मेला क्षेत्र पर रखी गई नजर 17 घाटों पर मौनी अमावस्या का हुआ स्नान।

देर रात तक वरिष्ठ अधिकारियों ने किया भ्रमण

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। मौनी अमावस्या का पावन स्नान पर्व सकुशल ढंग से सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर संगम सहित अन्य स्नान घाटों पर सायं 06:00 बजे तक 02 करोड़ 09 लाख लोगों ने आस्था की डुबकी लगायी। मेला क्षेत्र में श्रद्धालुओं, पूजनीय संतो, कल्पवासियों पर हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा की गयी। संगम क्षेत्र में श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। मौनी अमावस्या के पावन अवसर पर श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो इसके दृष्टिगत सभी वरिष्ठ अधिकारियों ने देर रात से ही मेला क्षेत्र में भ्रमणशील रहकर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराते रहे। एडीजी जोन भानु भास्कर, मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत, जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री, मेला अधिकारी अरविंद कुमार चौहान, अपर मेला अधिकारी दयानंद प्रसाद एवं श्री विवेक चतुर्वेदी सहित अन्य अधिकारियों ने मेला क्षेत्र में भ्रमणशील रहते हुए सभी सेक्टरों एवं स्नान घाटों पर आवश्यक व्यवस्थाओं की निगरानी रहते रहे। पूरे मेला क्षेत्र में सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किए गए थे। इस अवसर पर वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों के साथ-साथ पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने रात से ही भ्रमणशील रहते हुए विभिन्न सेक्टरों का निरीक्षण करते रहे तथा सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने में तैनात अधिकारियों का मनोबल बढ़ाते रहे। भ्रमणशील अफसरों में पुलिस आयुक्त रमित शर्मा, पुलिस महानिरीक्षक चंद्र प्रकाश, पुलिस अपर आयुक्त आकाश कुलहरि, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मेला राजीव नारायण मिश्रा तथा पुलिस अधीक्षक मेला आदित्य शुक्ला शामिल रहे।

मौनी अमावस्या पर्व :

फसलों के नुकसान के मुआवजे की मांग को लेकर सकिपा ने मंडलायुक्त को सौपा ज्ञापन

प्रयागराज। समर्थ किसान पार्टी के नेता अजय सोनी की अगुवाई में समर्थ किसान पार्टी का एक प्रतिनिधि मंडल शुक्रवार को मंडलायुक्त प्रयागराज विजय विश्वास पंत से भेंट की और कौशांबी जनपद की नहरों की पटरियों के कटने से किसानो के खेतों में हुए जलभराव के चलते फसलों के हुए नुकसान का मुआवजा देने की मांग की। साथ ही ठेकेदारों और अधिकारियों के द्वारा नहरों की सफाई में की गई धांधली पर कार्यवाही करने की भी मांग उठाई। ज्ञापन स्वीकार करते हुए मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत ने समुचित कार्यवाही करने का आश्वासन दिया। दिए गए ज्ञापन में किसानो के खेतों मे जलभराव होने से फसलों के हुए नुकसान का किसानो को मुआवजा देने, नहरों एवं रजबहों के टेल तक पानी पहुंचाने, नहरों एवं रजबहों की सफाई में हुई धांधली पर समुचित कार्यवाही करने जैसी मांगे शामिल थीं। इसके पूर्व प्रतिनिधि मंडल के लोगों से वार्ता करते हुए अजय सोनी ने कहा कि अधिकारियों और ठेकेदारों ने नहरों की सफाई में भारी धांधली की है। जिसके चलते नहरों की पटरियों के कटने से किसानो के खेतों में पानी भर गया और किसानो की फसलें बरबाद हो गई। अजय सोनी ने कहा कि ऐसे दोषी अधिकारियों और ठेकेदारों पर समुचित कार्यवाही हो। इस अवसर पर अजय सोनी के साथ सुरजीत वर्मा, डॉ अरविंद मौर्य, हेमंत कुमार, शिवबाबू मौर्य आदि मौजूद रहे।

मौनी अमावस्या पर क्रियायोग शिविर में लोगों की रही भीड़

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। माघ मेला क्षेत्र त्रिवेणी रोड पुल नंबर 2 पर स्थित सेवारत क्रियायोगा आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान का शिविर हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी लगाया गया है जिसमें काफी संख्या में देश व विदेश के साधक पहुंचकर क्रियायोग का अभ्यास व मानव स्वरूप में मौजूद अनंत ब्रह्मांडीय ऊर्जा को जानने की कोशिश में लगे हुए हैं । बताते चलें कि मेला क्षेत्र के क्रियायोग शिविर में शनिवार को क्रियायोग वैज्ञानिक स्वामी श्री योगी सत्यम् जी ने मेला शिविर में आए हुए देश व विदेश के

अनंत ब्रम्हांड का सूक्ष्म रूप है मानव स्वरुप : स्वामी श्री योगी सत्यम

क्रियायोग जानने को उत्सुक दिखे शिविर में मौजूद साधक

साधकों को क्रियायोग के 42 रिचार्जिंग विधि को समझाते हुए अभ्यास कराये । तथा यह भी बताया कि मानव स्वरूप में संपूर्ण ब्रह्मांड सूक्ष्म रुप में ठीक उसी प्रकार समाहित है जिस प्रकार एक बीज में अनंत वृक्ष समाहित है, मानव स्वरूप अनंत ब्रह्मांड का सूक्ष्म रूप है । स्वरूप में दृश्य और अदृश्य जगत की संपूर्ण रचनाएं सूक्ष्म तरंगों के रूप में संपादित होती हैं । क्रियायोग वैज्ञानिक स्वामी श्री योगी सत्यम्-जी ने यह भी बताया कि क्रियायोग एक ऐसी साधना है जिसके द्वारा स्वरूप में गहन एकाग्रता केंद्रित करके साधक स्वरूप में पूरे ब्रह्मांड की अनुभूति कर लेता है । तथा स्वरूप को सीमित रूप में अनुभव करना ही माया है । जिसे अज्ञान अविद्या कहा गया है। क्रियायोग साधना से माया का लोप संपूर्ण रचनाओं के सर्वज्ञ , सर्वव्यापी, अनंत और स्वरूप का साक्षात्कार होता है।

मौनी बाबा के चक्रवर्ती परिक्रमा करने में प्रशासन ने लगाई रोक नाराज होकर त्याग दिया अन्नजल

प्रयागराज। संगम क्षेत्र स्थित शनिवार को सगरा आश्रम पीठाधीश्वर अभय चैतन्य मौनी बाबा को माघ मेला में चक्रवर्ती परिक्रमा (लेटकर गोल गोल जमीन पर घूमकर संगम तक जाना) करने से रोक दिया गया है। परिक्रमा से रोके जाने से बिफरे मौनी बाबा ने अन्न-जल त्याग दिया है। बता दें कि झूंसी पुल नंबर एक पर स्थित मौनी बाबा ने अपने पंडाल में धरने पर बैठ गए हैं। उनके साथ करीब दो दर्जन समर्थक संत भी धरने पर बैठ गए हैं। इससे प्रशासन के हाथ पांव फूल गए हैं। उन्हें मनाने की कोशिश हो रही है।

माघ मेले में हर वर्ष करते हैं परिक्रमा : मौनी बाबा ने कहा कि देश की रक्षा के लिए मैं अनुष्ठान कर रहा हूं। आतंकवाद, राष्ट्र रक्षा, गौ संरक्षा, पर्यावरण सुरक्षा, देश की अर्थव्यवस्था, भ्रूण हत्या के खिलाफ 38 सालों से ये मेरा अनुष्ठान चल रहा है। 42 सालों से मैं अन्न ग्रहण नहीं करता हूं।केवल एक समय मैं फलाहार करता हूं। पूरे कल्पवास के दौरान में 5 बार चक्रवर्ती परिक्रमा कर संगम तक जाता हूं। यह मेरी 590वीं परिक्रमा है। कभी मेरे कारण कहीं कोई व्यवधान नहीं आया। खाक चौक के चौकी प्रभारी आए और बोले इस बार आपको चक्रवर्ती परिक्रमा नहीं करने देंगे। भीड़ काफी है। अधिकारियों ने रोक लगा दी है। उन्होंने कारण पूछा कि क्यों नहीं करने देंगे तो पुलिस प्रशासन के पास कोई जवाब नहीं था। फिलहाल मेला क्षेत्र में शनिवार को जो पूरी होगी परिक्रमा कब होगा चक्रवर्ती परिक्रमा पर सीनियर्स ने रोक लगा दी है।

जब पूरी होगी परिक्रमा, तब होगा अन्नजल ग्रहण : चक्रवर्ती परिक्रमा से रोके जाने के बाद मौनी बाबा काफी नाराज दिखाई दिए। उनका कहना है कि यह उनकी 590वीं परिक्रमा थी। पिछले 38 सालों से उनका यह संकल्प चला आ रहा है कि मुख्य स्नान पर्व पर लेटकर संगम तक चक्रवर्ती परिक्रमा करते हुए जाते हैं। स्नान करते हैं। इसके बाद पूजा-अर्चना करने के बाद अन्न और जल ग्रहण करते हैं। इसके बाद भंडारा होता है।इस बार प्रशासन ने परिक्रमा पर रोक लगा दी है। ऐसे में मेरा संकल्प टूटने को है। इस बात का मुझे गहरा आघात लगा है। उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ जैसे संत पुरुष के मुख्यमंत्री रहते और केंद्र में भाजपा की हिंदूवादी सरकार होने के बाद एक संत को चक्रवर्ती परिक्रमा से रोका जाना कहां का न्याय है।उनका कहना है कि मेला क्षेत्र में तमाम प्राइवेट गाड़ियां पुलिस अधिकारियों की मिलीभगत से आ रही हैं। उस पर तो नहीं रोक लगाई जाती। एक संत के चक्रवर्ती परिक्रमा करके जाने से अव्यवस्था फैल रही थी।अगर पुलिस प्रशासन एक संत को संगम क्षेत्र तक चक्रवर्ती परिक्रमा नहीं करा पा रहा है तो 2025 में लगने वाले महाकुंभ में शाही स्नान में जब हाथी और चार पहिया वाहनों पर नागा साधु सन्यासी निकलेंगे और 60 करोड़ की भीड़ आएगी तो उसे कैसे मैनेज करेंगे।मौनी बाबा ने योगी आदित्यनाथ सरकार से इस मामले में हस्तक्षेप करने और उनके संकल्प को ना टूटने देने का आह्वान किया है। इस बारे में जब माघ मेला एसपी डॉ. राजीव नारायण मिश्र से बात की गई तो उनका कहना है कि सुबह के समय कोहरा और भीड़ अधिक होने के कारण बाबा को रोका गया था। अब वो अगर परिक्रमा करना चाहें तो कर सकते हैं।

मौनी अमावस्या पर्व पर स्वामी गिरिनार बाबा महाराज शिविर में साधु संतों को खिलाया गया (भोजन) प्रसाद

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। मौनी अमावस्या के पावन पर्व पर त्रिवेणी मार्ग स्थित श्री श्री 1008 स्वामी गिरिनार बाबा महाराज के शिविर में शनिवार को साधु संतों को भोजन(प्रसाद) वितरण कराया गया तथा भोजन के पश्चात आए हुए सभी संतो को दक्षिणा देकर विदा किया गया । आपको बता दें कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी गिरिनार बाबा आश्रम का शिविर त्रिवेणी मार्ग पर स्थित झूंसी थाने के पीछे लगाया गया है,जो अन्य क्षेत्र के रूप में अपनी अलग पहचान बनाया है । गिरिनार बाबा महाराज आश्रम के कृपा पात्र शिष्य भैरव महाराज ब्रह्मचारी छोटे बाबा जी ने बताया कि गुरु की परंपरा को निर्वहन कर रहे हैं जो हर वर्ष इसी तरह मेला शिविर में परंपरा का निर्वहन किया जाता रहा है वही परंपरा आज भी चलती आ रही है तथा ब्रह्मचारी छोटे बाबा जी ने यह भी बताया कि यह कार्यक्रम श्रीराम पुरवार के सौजन्य से आज का

कार्यक्रम संपन्न कराया गया है जिसमें काफी संख्या में मेले के साधु संत पहुंचकर प्रसाद को ग्रहण किए हैं इस कार्यक्रम में ज्यादातर साधु संत मध्य प्रदेश जिले से कई अन्य क्षेत्रों से आए हुए हैं। तथा कृपा पात्र शिष्य भैरव महाराज ब्रह्मचारी छोटे बाबा जी ने यह भी

मौनी अमावस्या पर्व पर शिष्यों के साथ भैरव महाराज ने संगम में लगाई डुबकी

स्वामी गिरिनार बाबा के कृपा पात्र शिष्य भैरव महाराज ब्रह्मचारी छोटे बाबा जी ने अपने समस्त भक्तों के साथ सुबह 4.30 पर संगम पहुंचकर डुबकी लगाई । तथा साथ ही शालिक राम शुक्ला , शारदा प्रसाद पांडेय, बीरबल, बाबा रामेश्वर दास, बाबा बलराम दास तथा अन्य भक्त भी संगम में डुबकी लगाए। स्नान ध्यान के पश्चात मंत्रों का उच्चारण करते हुए समस्त भक्तों के साथ बाबा ब्रह्मचारी छोटे बाबा जी अपने शिविर को प्रस्थान करते हुए चले गए।

बताया कि मौनी अमावस्या पर्व के पश्चात भी बसंत पंचमी पर्व पर भी आयोजित किया जाएगा जिसमें काफी संख्या में भक्तों के आने की अनुमान लगाई जा रही है।

गणतंत्र दिवस पर कब्जा मुक्त कराने को होगा सामाजिक सत्याग्रह

प्रतापगढ़। प्रसिद्ध पांडव कालीन भयहरण नाथ धाम मे गणतंत्र दिवस 26 जानवरी को अति प्राचीन धाम कब्जा मुक्त कराने हेतु सामाजिक सत्याग्रह होगा। बकुलाही नदी की प्राचीन पुनरोधारित धारा के अवशेष सरकारी कार्यो को पूर्ण कराने के मुख्य उदेश्य के साथ सामूहिक सत्याग्रह किया जायेगा। यह जानकारी देते हुए भयहरण नाथ धाम के सचिव संगठन राज किशोर मिश्र ने बताया कीआजादी के अमृत महोत्सव वर्ष के अवसर पर जनपद से स्वतन्त्रता संग्राम मे सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले महान नायक राजा गुलाब सिंह व अन्य सच्चे सपूतो को सम्मान दिये जाने का आग्रह किया जायेगा। इस अवसर पर सबसे पहले भगवान भोले नाथ का पूजन होगा। तदोपरांत बसंत पंचमी के शुभ अवसर पर सरस्वती माता व बकुलाही मैया का पूजन करके सत्याग्रह की शुरूवात होगी। सत्याग्रह भयहरण नाथ धाम के महासचिव व बकुलाही नदी पुनरोधार अभियान के संयोजक समाज शेखर के नेतृत्व मे होगा जिसमें प्रबंध समिति के सदस्यगण, बकुलाही पुनरोधार के प्रमुख कार्यकर्ता, पंचायत प्रतिनिधिगण व क्षेत्र के जिम्मेदार नागरिक प्रतिभाग करेंगे।

कड़ाके की ठंड के बीच

मौनी अमावस्या पर श्रद्धालुओं ने गंगा में लगाई आस्था की डुबकी, किया पूजन-अर्चन

अखंड भारत संदेश

परियावां, प्रतापगढ़। पतित पावनी मां गंगा की गोद मे मौनी अमावस्या पर कड़ाके की ठंड की परवाह न करते हुए कालाकांकर के पवित्र गंगा नदी में हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने गंगा में आस्था की डुबकी लगाकर अपने पाप धोकर पुण्य के भागीदार बने।

स्नान के पश्चात श्रद्धालुओं ने गंगा किनारे मां गंगा की धूप दीप के साथ पूजन अर्चन कर परिवार की सुख समृद्धि की कामना किया राजभवन के किनारे बने राधे कृष्ण व विष्णु व काले हनुमान जी के साथ बूढ़े शिव लिंग मन्दिर व अन्य शिव लिंग मन्दिर में पूजन अर्चन किया। स्नार्थियो की सुरक्षा के लिए गंगातट किनारे नवाबगंज पुलिस मौजूद रही राजभवन के निकट व इंटर कालेज से सटे खाली पड़े मैदान में मेला भी लगा हुआ था जिसमे खाने पीने की वस्तु के साथ बच्चो के रंग बिरंगे सामान की दुकान लगी हुई थी।मेला ग्राउंट के पास पुलिस ने बैरिक लगा दिया था जिससे चार पहिया वाहन अंदर प्रवेश न कर सके। स्नान का पर्व दोपहर तक चलता रहा। इसी क्रम में नवाबगंज सोनामऊ घाट पर भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने गंगा में स्नान कर पूजन अर्चन किया। मुरस्सापुर ग्राम प्रधान सुरेश कुमार यादव ने स्नान के एक दिन पूर्व घाट की साफ सफाई करा दिया था ताकि स्नान करने वालो को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े स्नान के पश्चात श्रद्धालुओ ने घाट किनारे दुधाधारी शिव लिंग मंदिर, ठाकुर जी मन्दिर व गंगातट किनारे शिव लिंग मन्दिर में पूजन अर्चन किया। और गंगातट किनारे लगे मेले में खरीददारी किया। बता दें कि ग्राम प्रधान सुरेश कुमार यादव ग्रामवासियो के सहयोग से प्रत्येक वर्ष मुरस्सापुर सोनामऊ गंगातट किनारे भव्य दीपदान का कार्यक्रम माँ गंगा की गोद मे करते है जिसमे हजारों की सँख्या में लोग दीप दान में भाग लेते है।

मौनी अमावस्या पर गौरीशंकर घाट पर स्नान करके निकलते श्रद्धालु।

मौनी अमावस्या पर श्रद्धालुओं ने टेके बाबा धाम में मत्था

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। मौनी अमावस्या के पर्व पर बाबा घुइसरनाथ धाम दर्शनार्थियों का शनिवार को उत्साहजनक संगम दिखा। प्रयागराज संगम तथा कालाकांकर व मानिकपुर से स्नान कर वापस लौटे श्रद्धालुओं ने दोपहर बाबा धाम पहुंचकर मत्था टेका। वहीं सुबह से ही धाम में मौनी अमावस्या को लेकर श्रद्धालु आदिगंगा सई में स्नान कर दान पुण्य में भी जुटे दिखे। मौनी अमावस्या के स्नान पर्व को लेकर लालगंज चैक पर भी भीड सुबह से ही देखी गयी। इसके चलते पुलिस को यातायात व्यवस्था बनाने मे कडी मशक्कत मे देखा गया। घुइसरनाथ मार्ग पर वाहनों की अधिकता के कारण भी चैक पर कई बार जाम की स्थिति बनी दिखी। वहीं घरो मे भी सनातन श्रद्धालुओं ने स्नान ध्यान कर मां गंगा की पूजा आराधना की। क्षेत्र के हरिहरमंदिरम के परमानंद आश्रम मे भी भजन व संकीर्तन मे श्रद्धालु जुटे दिखे। नेशनल हाइवे के बड़े हनुमान जी मंदिर पर मौनी अमावस्या के साथ शनिवार का दिन होने के कारण हनुमान जी के भी दर्शन पूजन में श्रद्धालुओं का उत्साहजनक जमघट दिखा। इसके चलते दीवानी मार्ग मोड पर भी भीड का दबाव देखा गया। तहसीलदार धीरेन्द्र प्रताप सिंह व थानाध्यक्ष कमलेश पाल के साथ फोर्स को भी व्यवस्था बनाने में मार्च करते देखा गया।

जिले के राघवेंद्र वत्स बने सीबीआई दिल्ली के एंटी करेपशन ब्रांच के हेड

गुजरात सरकार ने पुलिस महानिरीक्षक के पद पर किया प्रमोट

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। जनपद के गौरवशाली इतिहास के सशक्त हस्ताक्षर के रूप में अपना नाम शुमार करने वाले गुजरात कैडर के 2005 बैच के आईपीएस राघवेंद्र वत्स के पुलिस महानिरीक्षक पर प्रमोशन के बाद सीबीआई दिल्ली क्राइम ब्रांच के हेड बनाए जाने की खबर से जनपद वासियों में खुशी की लहर दौड़ गई।

राघवेंद्र वत्स जिले के मरुआन गांव के श्याम सिंह के पुत्र हैं। श्याम सिंह भी पांडुचेरी सरकार के डायरेक्टर के पद पर कार्य कर अब सेवा निवृत्त हो चुके हैं। राघवेंद्र वत्स के नए जिम्मेदारी से उनके पिता के बेहद करीबी जनपद के फौजदारी के वरिष्ठ अधिवक्ता पूर्व डीजीसी क्रिमिनल मानिक सिंह ने खुशी जाहिर किया है। पूर्व मंत्री मोती सिंह ने खुशी जाहिर करते हुए कहा की राघवेंद्र वत्स बहुत योग्य, होनहार और ईमानदार अधिकारी है जिनकी कार्यकुशलता पर ही उन्हें यह गंभीर जिम्मेदारी उन्हें मिली है। हम सबको इन पर गर्व है। यह जानकारी पूर्व कैबिनेट मंत्री मोती सिंह के प्रतिनिधि विनोद पांडेय ने दी है।

राघवेन्द्र वत्स ।

हत्या के प्रयास के मुकदमें का धराया वांछित

लालगंज, प्रतापगढ़। लालगंज कोतवाली पुलिस ने हत्या के प्रयास समेत गंभीर धाराओं मे वांछित आरोपी को शनिवार की सुबह धर दबोचा। कोतवाली के दरोगा रमेश यादव फोर्स के साथ गश्त पर निकले थे। सूचना मिली कि परसपुर गांव निवासी रामधनी का पुत्र जयप्रकाश उर्फ मुन्ना गांव मे मौजूद है। जयप्रकाश पर हत्या के प्रयास समेत गंभीर धाराओं मे केस दर्ज है। पुलिस काफी समय से उसकी तलाश मे लगी थी। आननफानन मे फोर्स ने आरोपी को उसके घर पहुंचकर दबोच लिया। पूछताछ के बाद आरोपी को पुलिस ने न्यायालय भेज दिया।

सगरा रजबहा नहर में दो दिनों से घूमती डॉल्फिन मछली, नहीं मिल रहा है ठिकाना

दो वर्ष पूर्व नबाबगंज क्षेत्र के नहर में ग्रामीणों ने पीटकर मार डाला था

अखंड भारत संदेश

वन विभाग की लापरवाही से कहीं दो वर्ष पहले की घटना की न हो जाए पुनरावृति

लालगंज, प्रतापगढ़। वन विभाग की लापरवाही के चलते कहीं दो वर्ष पूर्व की भांति फिर एक बार दुर्लभ राष्ट्रीय जलीय जीव डॉल्फिन ग्रामीणों की शिकार न बन जाए। दो दिनों से सगरा रजबहा में घूम रही गंगा डॉल्फिन को अब तक किसी का सहारा नही मिल सका है। वहीं जानकारी के बावजूद भी जिम्मेदार लोग मौन है।

स्थानीय तहसील क्षेत्र के सगरा रजबहा नहर के रायपुर तियाई के पास शुक्रवार को ग्रामीणों ने डॉल्फिन मछली को देखा तो उसका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर डाल दिया। अब यह खबर जंगल की आग की तरह चारो ओर फैल गई।देर शाम लोगो ने इसे जगन्नाथपुर के आगे पांडेय का पुरवा के पास देखा।जहां वह चढ़ाई की वजह से आगे नहीं बढ़ पा रही थी। ग्रामीणों ने वन विभाग को जानकारी दी लेकिन वहां कोई नहीं पहुंचा। उसके बाद वह दिशा बदल कर पुनः खजुरी की तरफ मुड़ गई। भटकी गंगा डॉल्फिन को ग्रामीणों ने शनिवार को सगरा सुंदरपुर के गहरी के पास नहर में देखा। कुछ ग्रामीणों ने जाल डाल कर उसे बाहर निकल लिया, लेकिन कुछ लोगो के विरोध के बाद फिर से उसे नहर में छोड़ दिया गया।अब इस हाल में वह इधर-उधर नहर में भटकती फिर रही है। वहीं वन विभाग जानकारी के बावजूद भी उसकी सुरक्षा की ओर ध्यान नहीं दे रहा है। अधिकारियो की लापरवाही कहीं 31 दिसंबर 2020 की घटना को न दोहरा दे। नवाबगंज थाना क्षेत्र के कोथरिया गांव के पास नहर में मिली गंगा डॉल्फिन को कुछ लोगो ने पीट- पीटकर मर डाला था। इस संबंध में डीएफओ से लगाभन सायं 4 बजे बात की गई तो उन्होंने बताया की जानकारी मिलते ही मौके पर मैं आ गया हूं। हरखपुर के पास सगरा रजबहा नहर में डॉल्फिन है। लखनऊ से टीम को बुलाया गया है डॉल्फिन को पकड़कर गंगा में छोड़ा जाएगा।

सगरा रजबहा नहर में जाल में फंसी डाल्फिन मछली ।

नगर में अपना दल एस ने निकाली परिवर्तन पद यात्रा

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। नगर पंचायत लालगंज में शनिवार को अपना दल एस के बैनरतले परिवर्तन पद यात्रा की शुरूआत हुई। पार्टी कार्यकताओं ने पद यात्रा निकालकर अपना दल एस के संगठन को मजबूत बनाने का संकल्प लिया। अपना दल एस के नेता एवं स्थानीय व्यापारी जय कौशल की अगुवाई में पद यात्रा नगर के सभी मार्गो से गुजरी। पद यात्रा के दौरान कार्यकर्ता हाथ मे पटियां लेकर सोने लाल पटेल अमर रहे के नारे भी लगाते दिखे। पद यात्रा में केन्द्रीय मंत्री एवं पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुप्रिया पटेल के नेतृत्व में नगर पंचायत के आगामी चुनाव में मजबूती के साथ संगठन का परचम लहराने का भी संकल्प लिया गया। इस मौके पर राजा शुक्ला, पवन पटवा, अजीत कुमार, राजकुमार, राधा आदि रहे।

इलाज के दौरान अधेड़ की मौत, कोहराम

लालगंज, प्रतापगढ़। दुर्घटना मे घायल अधेड की इलाज के दौरान मौत हो जाने से परिजनों मे कोहराम मच गया। लालगंज थाना के जगन्नाथपुर निवासी विनोद पाल 45 पुत्र द्वारिका प्रसाद बीती पन्द्रह जनवरी को घर की छत पर बेटे के साथ पतंग उडा रहा था। अचानक पैर फिसलने से वह नीचे गिर गया। दुर्घटना मे विनोद गंभीर रूप से घायल हो गया। इलाज के लिए परिजन उसे लखनऊ मेडिकल कालेज ले गये थे। शुक्रवार की सुबह इलाज के दौरान विनोद की मौत हो गयी। पीएम के बाद शनिवार की सुबह मृतक का शव घर पहुंचा। यहां शव पहुंचते ही परिजन विलाप करने लगे। मृतक अपने पीछे पुत्री नेहा 14 व पुत्र राहुल 12 एवं विकास 10 तथा पुत्री गुड़िया 08 को निराश्रित छोड गया है।

एडीशनल एसपी ने नवाबगंज थाना क्षेत्र में पैदल किया फ़्लैग मार्च

परियावां, प्रतापगढ़। कानून ब्यवस्था चुस्त दुरुस्त बनाये रखने व अपराध पर नियंत्रण करने के लिए शुक्रवार की देर शाम प्रतापगढ़ एडिशनल एसपी रोहित मिश्र व सीओ कुन्डा अजीत सिंह अचानक नवाबगंज थाना पहुँचे जहां कोतवाली प्रभारी सुधीर कुमार सोनी के अवकाश पर होने के कारण प्रभारी उप निरीक्षक सुरेंद्र सिंह व उपनिरीक्षक दीपक कुमार मौर्य के साथ नवाबगंज परियावां पाइकगंज बाजार का पैदल भ्रमण किया उसके बाद लवाना बाजार पँहुचे जहाँ भ्रमण करने के बाद जिला मुख्यालय के लिए निकल पड़े इस दौरान क्षेत्र में हड़कम्प मचा रहा।

साहित्यकार डॉ० दयाराम मौर्य रत्न किए गए सम्मानित

नेशनल फेडरेशन ऑफ इंश्योरेंस फील्ड वर्कर्स ऑफ इण्डिया का मना 67वां स्थापना दिवस

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। नेशनल फेडरेशन ऑफ इंश्योरेंस फील्ड वर्कर्स ऑफ इण्डिया द्वारा फेडरेशन के 67 वें स्थापना दिवस पर वरिष्ठ नागरिक एवं साहित्यकार डॉ० दयाराम मौर्य ह्यरत्नह्व को सम्मानित किया गया। गौरतलब है कि इस विशिष्ट सम्मान से अलंकृत करने का निर्णय पदाधिकारियों द्वारा डॉ० दयाराम मौर्य रत्न की उल्लेखनीय उपलब्धियों को दृष्टिगत रखते हुए लिया गया।

डॉ० रत्न को अंग वस्त्र ओढ़ाकर तथा माल्यार्पण करके उनके ही आवास सृजना कुटीर पर फेडरेशन के अध्यक्ष राजीव कुमार आर्य के नेतृत्व में पदाधिकारियों ने सम्मानित किया। नेशनल फेडरेशन ऑफ इंश्योरेंस फील्ड वर्कर्स ऑफ इण्डिया के अध्यक्ष ने कहा कि फेडरेशन का उद्देश्य भारतीय जीवन बीमा निगम के फील्ड में कार्य करने वाले अधिकारीयों ० कर्मचारियों के हितों की रक्षा करना तथा उन्हें हर प्रकार से संरक्षण प्रदान करना है। फेडरेशन के सचिव रतन प्रकाश यादव ने कहाकि फेडरेशन अधिकारियों एवं कर्मचारियों के हितों की रक्षा के लिए हर संभव प्रयत्न एवं आवश्यक कार्यवाही करने के लिए सदैव तत्पर है।

विशिष्ट अतिथि के रूप में अम्मा साहेब ट्रस्ट के ट्रस्टी आनन्द मोहन ओझा ने कहा कि हर संगठन अपने सदस्यों से अपेक्षा करता है कि वे अपनी नैतिकता के सभी मूल्यों पर खरे रहते हुए अपने पद एवं दायित्व के अनुरूप अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने के प्रति सजग एवं गंभीर रहें तो निःसंदेह उद्देश्य की पूर्ति संभव है। इस मौके पर नेशनल फेडरेशन ऑफ इंश्योरेंस फील्ड वर्कर्स ऑफ इण्डिया द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में फेडरेशन के कोषाध्यक्ष मनीष श्रीवास्तव, मण्डलीय महासचिव प्रयागराज विवेक कुमार दुबे तथा सदस्यगण क्रमशः संजय श्रीवास्तव, आशीष सक्सेना, गौरव सिंह, प्रदीप पाण्डेय, देवेन्द्र त्रिपाठी, अनिल तिवारी, उमा मिश्रा, डी०के० वर्मा, शत्रु दमन सिंह तथा मो० अफ्हम आदि उपस्थित रहे।

डा0 दयाराम मौर्य को सम्मनित करते आयोजकगण।

आरोपी के खिलाफ पुलिस नही दर्ज कर रही रिपोर्ट

अखंड भारत संदेश

परियावां, प्रतापगढ़। एक तरफ जिले के तेज तर्रार पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल अपने मातहतों को क्राइम मीटिंग में पीड़ितों को त्वरित न्याय दिलाने के लिए दिशा निर्देश देते है तो दूसरी तरफ वहीं कोतवाली लालगंज पुलिस व पुलिस चैकी रानीगंज कैथोला पुलिस पीड़ितों को न्याय की जगह उल्टा पीड़ित को मुकदमा दर्ज करने की बात कहकर डाट डपट कर वापस कर देती है। मामला जनपद प्रतापगढ़ के चैकी रानीगंज कैथवला के रानी का बाग मौजा बरी बोझ का है जहां गाव की एक नाबालिक किशोरी को गाँव का उसी बिरादरी का युवक व उसका बहनोई बहला फुसलाकर 23 दिसम्बर 22 की शाम लगभग 7 बजे भगा ले गया जिसकी जानकारी नाबालिक किशोरी के भाई को हुई तो वह लुधियाना से भागकर अपने घर पहुँचा जिसकी खोज बीन करने पर पता चला कि गांव का एक युवक व उसका बहनाई छत्ता का पुरवा कोतवाली महेशगंज भगाकर ले गए है। घटना की लिखित शिकायत जब किशोरी के पिता बचई पटेल चैकी रानीगंज कैथवला देने गए तो वहाँ की पुलिस उल्टा पिता बचई को डांट डपट कर भगा दिया कार्रवाई न होने से न्याय पाने के लिए लालगंज कोतवाली पुलिस के यहाँ शिकायत पत्र देने गए तो वहाँ की भी पुलिस ने मुकदमा दर्ज करने की बात कहकर थाने से भगा दिया। न्याय न मिलने पर पीड़ित किशोरी का पिता बचई 26 दिसम्बर 22 को पुलिस अधीक्षक प्रतापगढ़ के यहां शिकायत पत्र दिया एक सप्ताह बीत तक पुलिस द्वारा कोई कार्रवाई न होने पर 3 जनवरी 23 को लखनऊ मुख्यमंत्री आवास पर अपनी शिकायत पत्र न्याय पाने के लिए दिया।

मेधाशक्ति की बदौलत भारत वैश्विक नेतृत्व की ओरः प्रमोद तिवारी

राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी ने विज्ञान कक्ष का किया लोकार्पण

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी ने कहा है कि ग्रामीण क्षेत्र की मेधाओं के लगातार सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के चलते भारत तेजी से वैश्विक शक्ति के रूप में उभर रहा है। उन्होने कहा कि देश के ज्ञान व विज्ञान तथा निर्माण के क्षेत्र में प्रतिभाओं की कडी मेहनत का ही नतीजा है कि हमारा मुल्क दुनिया का दिशाबोधक बन रहा है।

शनिवार को रेहुआ लालगंज स्थित बापू इण्टर कालेज के वार्षिकोत्सव को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा कि बालिका शिक्षा के क्षेत्र मे भी आज रामपुर खास नजीर गिना जाता है। बालिकाओं का उत्साहवर्धन करते हुए उन्होने कहा कि भारतीय बेटियां आज तकनीकी तथा प्रगति के हर मुकाम पर सफलता का परचम लहराते हुए रक्षा क्षेत्र मे भी अप्रतिम योगदान का इतिहास बना रही है। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व प्रमुख दगपाल यादव व संचालन रामकुमार पाण्डेय ने किया। प्रधानाचार्य हरिशंकर शुक्ला ने शैक्षिक प्रगति आख्या प्रस्तुत की। विद्यालय के प्रबंधक वेदप्रकाश त्रिपाठी ने समारोह का संयोजन किया। इसके पूर्व सांसद प्रमोद तिवारी ने मां सरस्वती के चित्र तथा संस्थापक अध्यक्ष पं. माताबदल तिवारी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होनें क्षेत्रीय विधायक आराधना मिश्रा मोना की विधायक निधि से नवनिर्मित विज्ञान कक्ष का भी समारोहपूर्वक लोकार्पण किया। इस मौके पर प्रतिनिधि भगवती प्रसाद तिवारी, ब्लाक प्रमुख अशोक सिंह बब्लू, केडी मिश्र, चेयरपर्सन प्रतिनिधि संतोष द्विवेदी, नामवर सिंह, पं. घनश्याम मिश्र, धीरज सिंह, कमलेश तिवारी, लल्लन सिंह, अशोकधर द्विवेदी, सुधाकर पाण्डेय, शिव बहादुर सिंह, महेन्द्र सिंह, पप्पू तिवारी, ददन सिंह, मुरलीधर तिवारी, सत्येन्द्र सिंह, कुंवर ज्ञानेन्द्र सिंह, प्रियम मिश्र, आनन्द पाण्डेय आदि रहे।

रेहुआ लालगंज इण्टर कालेज मे वार्षिकोत्सव में बोलते राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी।

खबर संक्षेप

बालिका ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

कौशांबी। चरवा थाना क्षेत्र के बलीपुर टाटा गांव के मजरा तिलातारा में एक बालिका ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया है सूचना पाकर मौके पर पहुंची चरवा पुलिस ने बालिका के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटनाक्रम के मुताबिक चरवा थाना क्षेत्र के तिलातारा निवासी अशोक कुमार रैदास की पुत्री अंजली उम्र 16 वर्ष ने बीती रात घर के अंदर फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया है परिजनों ने बताया कि वह मानसिक रूप से विक्षिप्त थी सूचना पाकर घटनास्थल पर पुलिस पहुंची है और बालिका के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

न्यायिक कार्य से विरत रहे अधिवक्ता

कौशांबी। माघ महीना के मौनी अमावस्या के दिन न्यायालय में छुट्टी ना घोषित किए जाने के बाद अधिवक्ताओं ने मौनी अमावस्या 21 जनवरी को न्यायिक कार्य से विरत रहने का निर्णय लिया है जिससे न्यायिक कार्य नहीं हो सका है गांव क्षेत्र से आने वाले फरियादियों को वापस लौटना पड़ा है जनपद न्यायालय के अधिवक्ता न्यायिक कार्य से विरत रहे हैं।

गावों में बैंक सुविधाओं को पहुंचाने के लिए बैंक सखियों को करे प्रेरित : सीडीओ

बड़ौदा आरसेटी में बैंक सखी प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ समापन, विभिन्न समूहों से आई महिलाओं को मुख्य विकास अधिकारी ने वितरित किया प्रमाणपत्र

अखंड भारत संदेश

प्रशिक्षण प्रमाण पत्र वितरित करते मुख्य विकास अधिकारी

प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थित बैंक सखी

कौशाम्बी। बैंक सखी प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन के अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी डॉ रवि किशोर त्रिवेदी ने कहा कि बैंकों की सुविधाओं को गांव-गांव तक पहुंचाया जाएगा इसके लिए बैंक सखी की मदद ली जाएगी उन्होंने कहा कि महिला समूह को ऋण दिलाने के लिए बैंक सखी को प्रेरित किया जाएगा और उनकी मदद ली जाएगी इस मौके पर बैंक सखी को सीडीओ द्वारा प्रमाण पत्र वितरित किया गया है। बड़ौदा आरसेटी में बैंक सखी प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन किया गया जिसमे मुख्य विकास अधिकारी रवि किशोर त्रिवेदी द्वारा किया गया इस अवसर पर अग्रणी जिला प्रबंधक जितेंद्र कुमार चौधरी संस्थान के निदेशक नवीन कुमार झा एवम् समस्त स्टॉफ उपस्थिति रहें श्री त्रिवेदी ने विभिन्न समूहों से आई महिलाओं को प्रमाण पत्र वितरित किया और गावों में बैंक सुविधाओं को पहुंचाने के लिए प्रेरित किया और महिलाओं का उत्साहवर्धन एवं मार्गदर्शन किया। अग्रणी जिला प्रबंधक ने बैंकिंग सेक्टर से जुड़ी समस्याओं को दूर करने में मदद करने की बात की। संस्थान के निदेशक ने सभी को स्वावलंबी बनाने की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। एनआरएलएम द्वारा इन बैंक सखियों को समूहों को ऋण दिलाने में सहायता प्रदान करने के लिए विभिन्न बैंक शाखाओं में नियुक्त किया जायेगा और इनको निर्धारित मानदेय भी प्राप्त होगा।

मौनी अमावस्या के पावन पर्व में श्रद्धालुओं ने गंगा यमुना नदी में लगायी डुबकी

कोखराज कौशाम्बी। मौनी अमावस्या के पावन पर्व पर गंगा नदी के संदीपन घाट पर नदी के पवित्र जल में हजारों लोगों ने स्नान किया मौनी अमावस्या पर स्नान करने वालों की भीड़ देखकर मौके पर सीओ सिराथू केजी सिंह व एसओ कोखराज पहुँचे और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते हुए गंगा नदी में स्नान कर रहे श्रद्धालुओं को क्षेत्राधिकारी ने कहा कि गंगा नदी के गहरे जल में उतर कर श्रद्धालु स्नान ना करें और किसी तरह कि श्रद्धालुओ कोई दिक्कत होती हैं तो घाट पर मौजूद पुलिस कर्मियों को सूचना दे और गंगा में डुबकी लगाने के लिए नदी के उतने ही जल में स्नान करें जितने में किसी प्रकार का खतरा ना उत्पन्न हो मौनी अमावस्या के स्नान पर्व पर अपार भीड़ लगने के चलते दो पहिया व चार पहिया वाहन को बाहर ही खड़ा करने को कहा जिससे भीड़ भाड़ में कोई भी दिक्कत न हो संदीपन घाट पर तमाम श्रद्धालुओं ने भंडारे का आयोजन कर हजारों लोगों को प्रसाद वितरण किया इसी तरह जिले के अन्य गंगा घाट बदनपुर पल्हाना घाट फतेहपुर घाट कड़ा घाट कांकरा बाद घाट सहित विभिन्न घाटों में हजारों श्रद्धालुओं ने गंगा स्नान किया है वही यमुना नदी के महेवाघाट पभोषा सेवढ़ा सहित विभिन्न घाटों मैं हजारों श्रद्धालुओ ने यमुना नदी में स्नान किया है।

बाबा टीवीएस में आयोजित लकी ड्रा में ग्राहकों को मिले आकर्षक उपहार

लकी ड्रा में 20 सितम्बर से 31 दिसम्बर तक गाड़ी खरीदने वाले लगभग 300 ग्राहकों को शामिल किया गया

अखंड भारत संदेश

लकी ड्रा में उपस्थित बाबा टीवीएस के प्रबंधक और ग्राहक

कौशाम्बी। जिले के भरवारी गिरसा चौराहे पर स्थित बाबा टीवीएस में शनिवार को लकी ड्रा का आयोजन किया गया, बाबा टीवीएस के प्रबंधक द्वारा लकी ड्रा में ग्राहकों के लिए अनेकों प्रकार के उपहार वितरित किए गए। 20 सितंबर से 31 दिसंबर तक बाइक खरीदने वालों 300 ग्राहकों को बाबा टीवीएस कंपनी द्वारा लकी ड्रा में शामिल किया गया है। इस लकी ड्रा में 20 सितम्बर से 31 दिसम्बर तक गाड़ी खरीदने वाले लगभग 300 ग्राहकों को शामिल किया गया था,जिसमे से 40 ग्राहकों को इनाम दिया गया।लकी ड्रा मे कमलेश कुमार को फ्रिज मिला,वही वाशिंग मशीन संजय कुमार को,टीवी मोहम्मद शाहिद को कूलर अकांक्षु गुप्ता, मिक्सर किशोरी लाल को सीलिंग फैन साहस को मिला।वही अन्य ग्राहकों को सांत्वना पुरस्कार के रूप में प्रबंधक अमित केसरवानी और कपिल केसरवानी द्वारा गिफ्ट प्रदान किया गया। बाबा टीवीएस के प्रबंधक अमित केसरवानी ने बताया कि हमारी संस्था में सभी सम्मानित ग्राहकों को समय समय पर अलग अलग स्कीमों के तहत सम्मानित किया जाता है । उसी के तहत इस बार भी लकी ड्रा का आयोजन किया गया है । जिसमे ग्राहकों को उपहार देकर पुरस्कृत एवम सम्मानित किया गया है।इस दौरान टीम मैनेजर प्रतीक राय,टीवीएस क्रेडिट मनीष गुप्ता, सन्तोष,लाल चंद्र,सुरेश चंद्र,सोनू सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

मकान बेच कर ले लिया पैसा नहीं दे रहा कब्जा

करारी कौशांबी। करारी थाना क्षेत्र के बभनपुरा गांव निवासी मुलायम सिंह पुत्र राम सजीवन ने करारी थाना अध्यक्ष को शिकायती प्रार्थना पत्र देते हुए बताया कि वीरेंद्र कुमार पुत्र बुधराम ने 3 वर्ष पहले उसके हाथ 40 हजार रुपए में मकान बेचा था मकान बिक्री का पैसा 40 हजार रुपए वीरेंद्र कुमार ने ले लिया है लेकिन मकान खाली करके अब उसे कब्जा नहीं दे रहा है शिकायतकर्ता मुलायम सिंह का कहना है कि मकान बेचकर पैसा लेने के बाद मकान ना देकर वह ठगी और धोखाधड़ी कर रहा है पीड़ित ने पुलिस से मुकदमा दर्ज करने की मांग की है।

बीती रात नलकूप में हुई चोरी :

कौशाम्बी। चरवा थाना क्षेत्र के केशी का पूरा गांव के पिंटू मिश्रा पुत्र झल्लर के नलकूप में लगे स्टाटर , पाइप,उपकरण को अज्ञात चोर ताला तोड कर उठा ले गए हैं सुबह पीड़ित अपने नलकूप की तरफ टहलने गया तो नलकूप का ताला टूटा पड़ा था नलकूप के उपकरण गायब मिले दो वर्ष के बीच पीड़ित के नलकूप में तीसरी बार चोरी हुई है पीड़ित ने अज्ञात लोगों के विरुद्ध शिकायती प्रार्थना पत्र दिया है चरवा पुलिस जांच में जुटी है।

तसला रखने जा रहे मजदूर से भिड़ा मोटर साइकिल सवार, दोनों हुए घायल

हादसे में बाइक सवार की हालत गंभीर

अखंड भारत संदेश

सड़क दुर्घटना के बाद लगी भीड़

अझुवा कौशाम्बी। तसला रखने जा रहे मजदूर से मोटरसाइकिल सवार भिड़ गया जिसमें दोनों घायल हो गए मौके पर रहे लोगों ने अझुवा के नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया है। राष्ट्रीय राजमार्ग अझुवा के पास पीनसी कम्पनी बीच सड़क बने डिवाइडर में कैमरे की पाइपलाइन और वॉयर डाल रही है जिसमे जुन्नु पुत्र परमसुख निवासी नगर पंचायत अझुवा वार्ड नं 6 दैनिक मजदूरी करता है आज शाम काम खतम कर जुन्नू निश्चित स्थान में तसला रखने जा रहा था तभी विपरीत दिशा से शनि कुमार पुत्र सोहन निवासी वार्ड नं 4 रसूलपुर मढिया मई मोटरसाइकिल से अझुवा आ रहा था राष्ट्रीय राजमार्ग अड़ार पर (वार्ड नं4) के सामने मोटरसाइकिल सवार मजदूर से भिड़ गया जिसमें बाइक सवार और मजदूर दोनों घायल हो गए मौके पर रहे लोगों ने दोनों को अझुवा नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया जहां मोटरसाइकिल सवार शनि की हालत गम्भीर बताई जा रही है।

प्रदेश सरकार किसानों के लिए ठोस कदम उठाए : इमरान रिजवी

अखंड भारत संदेश

रालोद ने किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए दो मांग पत्र डाकघर द्वारा मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार को भेजी

मांग पत्र दिखाते राष्ट्रीय लोकदल नेता

कौशाम्बी। राष्ट्रीय लोक दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद जयंत चौधरी के निर्देश पर कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष मनजीत सिंह द्वारा प्रदेश के किसानों ने आज दो मांग पत्र उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भेजकर समस्या निवारण करने का अनुरोध किया गया, इसी अभियान के माध्यम से आज करारी कस्बा में भी राष्ट्रीय लोक दल के वरिष्ठ नेता एवं किसान संदेश के अभियान के प्रभारी व पूर्व जिला अध्यक्ष इमरान हैदर रिजवी के नेतृत्व में करीब सैकड़ों किसानों ने किसानों के गन्ना के वाजिब मूल्य घोषित करने एवं गांव गांव में घूम रहे आवारा पशुओं को रोकने हेतु मांग की है इमरान हैदर रिजवी ने कहा कि किसानों की बोई हुई फसल को नष्ट कर रहे आवारा पशुओं पर तत्काल रोक लगाई जाए वरना बड़ा आंदोलन होगा हैं सड़कों पर आवारा पशुओं के घूमने से आम नागरिकों की सड़कों पर दुर्घटनाएं हो रही है। जिससे किसान मजदूर एवं आम नागरिक पूरी तरह से परेशान है उक्त समस्याओं को शीघ्र समाधान किए जाने की मांग की गई रिजवी ने कहा कि यह अभियान तब तक चलता रहेगा जब तक उत्तर प्रदेश की सरकार गन्ने का लाभकारी मूल्य घोषित नहीं करती तथा आवारा पशुओं से छुटकारा नहीं दिलाती है।उन्होंने कहा कि किसान संदेश यात्रा का कार्यक्रम 28 दिसंबर से पूरे प्रदेश में चल रहा है और आगे भी चलता रहेगा उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों के लिए कोई ठोस कार्य नहीं कर रही है पूरे प्रदेश का किसान दुखी है गरीब आदमी न्याय पाने के लिए दर-दर की ठोकरें खा रहा है प्रदेश में भ्रष्टाचार चरम पर है अपराध चरम पर है तथा महंगाई चरम पर है आम आदमी अपने आप को असुरक्षित महसूस कर रहा है महिलाएं भी सुरक्षित नहीं हैं जिसे सुधारने के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री को गंभीरतापूर्वक विचार करने की जरूरत है और प्रदेश सरकार ठोस कदम उठाएं। इस मौके पर पार्टी के वरिष्ठ नेता नजमुल हसन रिजवी, अशरफ हुसैन क्रांतिकारी, बासुदेव यादव, इंदल प्रसाद मौर्य, रामप्रकाश गौतम, राजेश सिंह पटेल, शेख अब्दुल कवी, मोहम्मद चमन शेख, मोहम्मद शमीम खान, जगन्नाथ पासवान, शेख अब्दुल अली, फहीम खान, जग लाल कोरी, भीम सरोज, आदि कार्यकर्ता रहे।

अनुसूचित जाति के व्यक्तियों को दबंगों ने दौड़ा-दौड़ा कर डंडों से पीटा

कौशाम्बी। कोखराज थाना क्षेत्र के असवां गांव में जमीनी विवाद के चलते दबंगों ने अनुसूचित जाति के व्यक्तियों को दौड़ा-दौड़ा कर डंडों से पीटा है जिससे कई लोगों को चोटें आई हैं पीड़ित परिवार ने मामले की सूचना स्थानीय पुलिस को दी है खबर लिखे जाने तक मामले में मुकदमा नहीं दर्ज हुआ है। बताया जाता है कि अनुसूचित जाति के परिवारों की जमीन पर दबंग कब्जा करना चाहते हैं शनिवार की दोपहर अनुसूचित जाति के व्यक्ति जमीन पर मौजूद थे इसी बीच दबंगों को जानकारी लग गयी अपने साथियों के साथ दबंग मौके पर पहुंचे और अनुसूचित जाति के व्यक्तियों को दौड़ाकर डंडे से पीटा है घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई हमले से पीड़ित अनुसूचित जाति के व्यक्ति बचाव के लिए इधर-उधर भागते रहे।

दो घरों से लाखों का सामान उठा ले गए चोर

घटना के बारे में जानकारी देंता स्वामी

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। चरवा थाना क्षेत्र के नगर पंचायत चरवा के मदूकी गांव में बीती रात अज्ञात बदमाशों ने नकब लगाकर दो घरों में लाखो की चोरी कर फरार हो गए है। जानकारी के मुताबिक चरवा थाना क्षेत्र के मदूकी गांव निवासी अमर सिंह पुत्र गुलाब सिंह के घर से 35 हजार नगद सोने की अंगूठी, सोने की लाकिट चांदी का छागल,व चांदी की दो पायल चोरों ने पार कर दिया है इसी रात पड़ोस के ही बुल्ला सिंह पुत्र स्व शिवदानी सिंह के दरवाजे का ताला तोड कर 50 हजार नगद दो जोड़ी पायल जरूरी कागजात व कपड़ा चोरों ने पार किया गांव के लोग सुबह शौच क्रिया करने गए तो देखा कि दीवार के पीछे नकब लगा हुआ था! इसकी जानकारी परिजनों को हुई तो परिजनों के होश उड़ गए पीड़ित ने अज्ञात चोरों के विरुद्ध स्थानीय थाना चरवा में शिकायती प्रार्थना पत्र दिया है शिकायती प्रार्थना पत्र पाते ही चरवा पुलिस जांच में जुटी है खबर लिखे जाने तक मुकदमा पंजीकृत नहीं हुआ है।

पुलिस चौकी से चंद कदम की दूरी पर एक दर्जन बकरियां चोरी कर ले गए चोर

बोलेरो सवार बकरी चोर गिरोह के सदस्यों ने पिपरी थाना क्षेत्र के कई गांव में भी घटनाओं को दिया है अंजाम

कौशाम्बी। मोहब्बत पुर पइंसा थाना क्षेत्र में अपराध सिर चढ़कर बोल रहा है अपराधी बेखौफ हो गए हैं जिससे लोगों के अंदर भय व्याप्त है घटनाओं के खुलासे के लिए पुलिस सीसीटीवी कैमरे की मदद से चोरों को खोजने में लगी है लेकिन पुलिस को कोई सफलता नहीं मिल रही है इन दिनों बोलेरो सवार बकरी चोर गिरोह के सदस्यों ने अपना निशाना मोहब्बत पुर पइंसा थाना क्षेत्र के गांव को बनाया है बीती रात 3 पशुबाड़ा का ताला तोड़कर घरों से लाखों रुपए कीमत की एक दर्जन बकरियों को बोलेरो सवार चोर खोल ले गए हैं। घटनाक्रम के मुताबिक मोहब्बतपुर पइंसा थाना क्षेत्र के अफजलपुर वारी पुलिस चौकी से चंद कदम की दूरी पर तीन पशुबाड़ा का ताला तोड़कर एक दर्जन बकरियों को चोर उठा ले गए हैं बताया जाता है कि बोलेरो सवार बकरी चोर का इलाके में आतंक है लेकिन थाना और चौकी पुलिस बोलेरो सवार चोर पर कार्यवाही नहीं कर पा रही है। जानकारी के मुताबिक मोहब्बत पुर पइंसा थाना क्षेत्र के अफजलपुर वारी गांव निवासी मिसरी लाल सोनकर सरोज देवी वा अबरार हुसैन के पशुबाड़ा का शुक्रवार की आधी रात को ताला तोड़ कर एक दर्जन से अधिक बकरियों को चोर खोल ले गए है इसी पुलिस चौकी क्षेत्र के सरैया सरकारी स्कूल का भी ताला तोड़कर कुछ दिन पहले चोर सामान उठा ले जा चुके हैं जिसका भी खुलासा नहीं हो सका है बताया बताया जाता है कि बकरी चोर दिन में पहले रेकी करते हैं फिर रात में बोलेरो से आकर ताला तोड़कर बकरी खोल ले जाते हैं पुलिस हाथ पर हाथ धरे बैठी रह जाती है बीते दिनों 12 जनवरी की रात पिपरी थाना क्षेत्र के भी तलरी सहित कई गांव में बकरी चोरी की कई घटनाएं हो चुकी हैं किसी भी मामले के खुलासे में पुलिस रत्ती भर आगे नहीं बढ़ सकी है। लाखों रुपए कीमत की दर्जनों बकरियां चोरी चले जाने के बाद बकरियों की खोज में ग्रामीणों ने काफी प्रयास किया लेकिन तमाम प्रयास के बाद भी ग्रामीणों को बकरी चोर का सुराग नहीं लग सका है।

बालिका की हत्या के आरोप में माता-पिता भाई को आजीवन कारावास की सजा

अभियुक्तों पर अदालत ने लगाया 60-60 हजार रुपए का अर्थदंड, अवैध संबंधों के शक में माता-पिता भाई ने बालिका की गला घोटकर हत्या करने के बाद पंखे से लटकाया था शव

अखंड भारत संदेश

अदालत के बाहर खड़े दोषी दंपत्ति और उनका बेटा

कौशांबी। सराय अकील थाना क्षेत्र के कस्बा बुद्धपुरी में 15 फरवरी 2020 को रीना देवी उम्र 16 वर्ष की लाश पंखे से लटक रही थी परिजनों ने बालिका के आत्महत्या किए जाने की सूचना पुलिस को दी थी पुलिस ने बालिका की लाश को पोस्टमार्टम को भेजा जांच के दौरान प्रकाश में आया कि बालिका की हत्या कर पंखे से लाश उसके परिजनों ने लटकाई है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर विवेचना शुरू की और अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया पुलिस ने बालिका के पिता हुबलाल पुत्र शारदा प्रसाद माता शीला देवी पत्नी हुबलाल और भाई संदीप कुमार पुत्र हुबलाल को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया रीना देवी के मौत के प्रकरण में न्यायालय एडीजी एफटीसी प्रथम गैंगस्टर कोर्ट द्वारा प्राथमिकता के आधार पर सुनवाई की गई पुलिस विभाग द्वारा अपराधों में पैरवी कर अभियुक्तों को सजा दिलाने का प्रयास किया गया सुनवाई के दौरान अदालत ने मृतिका रीना देवी के पिता हुबलाल माता शीला देवी और भाई संदीप कुमार को बालिका की हत्या कर लाश पंखे से लटकाए जाने का दोषी पाया अदालत ने पिता माता और भाई को आजीवन कारावास की सजा से दंडित करते हुए अभियुक्तों पर 60 साठ हजार का अर्थदंड भी लगाया है बालिका के युवक से अवैध संबंधों के शक में उसके माता-पिता और भाई ने ही उसकी गला घोट कर हत्या कर दी है।

सड़क ना बनाए जाने से पुल बनाया जाना रह गया सपना!

करोड़ों लागत से सहजादपुर गंगा घाट पर पुल बनाए जाने के बाद टेडीमोड चौराहे से कुंडा तक नहीं बनाई जा सकी सड़क सोची समझी साजिश के तहत योगी सरकार के अधिकारियों ने सहजादपुर पुल को सड़क से जोड़ने की प्रक्रिया से रखा दूर

अखंड भारत संदेश

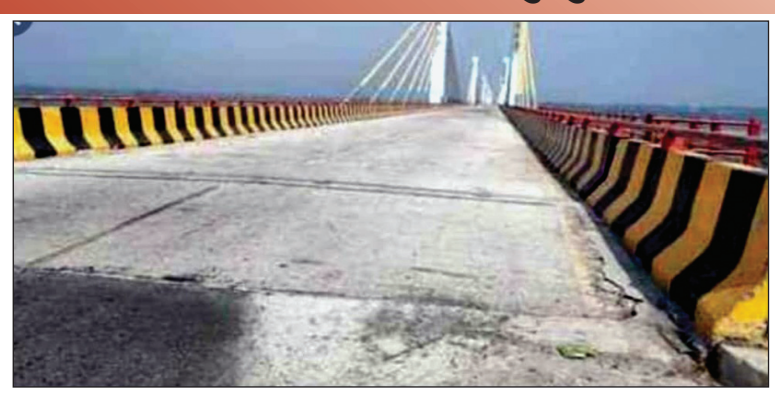

दुर्गा भाभी सेतू

कौशाम्बी। गंगा नदी के शहजाद पुर घाट में करोड़ों की लागत से दुर्गा भाभी सेतु का निर्माण योगी सरकार ने कराने में जो तेजी दिखाई थी यदि यही तेजी टेढ़ी मोड़ चौराहे से कुंडा तक सड़क बनाने में योगी सरकार दिखा देती तो पुल बनाने का मकसद सरकार का सफल हो जाता लेकिन पुल बनाने और उसके उद्घाटन करने तक योगी सरकार और उनके नुमाइंदे उतावले दिखाई पड़ रहे थे लेकिन पुल बनाए जाने के बाद सड़क बनाए जाने के मामले में योगी सरकार के अधिकारियों को जैसे सांप सूंघ गया है वह पूरी तरह से सुस्त पड़ गए हैं जिससे सहजादपुर गंगा घाट पर बनाया गया पुल अपने उद्देश्य से भटक गया है। सड़क के दोनों ओर टेढ़ी मोड़ चौराहे से कुंडा तक सड़क नहीं बनाई गई है जो गांव की पूर्व सड़कें हैं उन पर दो वाहनों का एक साथ निकलना मुश्किल है जिससे बड़े वाहन इस पुल से होकर नहीं गुजर रहे हैं कई महीने बीत जाने के बाद पुल के दोनों तरफ मुख्य मार्ग तक फोरलेन या दो लेन की सड़क न बनाए जाने से पुल से आवागमन नहीं हो पा रहा है अब सवाल उठता है कि केवल पुल बनाए जाने का क्या औचित्य था उनको मुख्य सड़क से ना जोड़ा जाए तो करोड़ों की लागत का पुल बनाना केवल बकवास साबित होगा चचाओं पर जाएं तो कमीशन खोरी के चलते अधिकारियों ने पुल बनाने में तेजी दिखाई है और पुल बनने के बाद उनका कमीशन उन्हें मिल गया है सड़क बनाने में उन्हें जल्दबाजी नहीं है। सूत्रों की माने तो गंगा नदी के सहजादपुर घाट पर दुर्गा भाभी सेतु पुल के निर्माण में जमकर धांधली हुई है और सड़क बनाए जाने के बाद पुल पर लोड बढ़ेगा और लोड बढ़ने के बाद पुल के निर्माण की धांधली उजागर होना तय है सड़क ना बनाए जाने से सहजादपुर का यह पुल आवागमन के लिए पूरी तरह से चालू नहीं हो सकेगा जिससे पुल पर लोड नहीं पड़ेगा और सरकारी नुमाइंदों के काले कारनामों पर पर्दा पड़ा रहेगा सड़क न बनने से आवागमन ना चालू होने के चलते पुल के निर्माण में धांधली उजागर नही हो पाएगी एक सोची समझी साजिश के तहत योगी सरकार के अधिकारियों ने सहजादपुर पुल को सड़क से जोड़ने की प्रक्रिया से दूर रखा है जिससे कुछ समय बीत जाएगा और समय बीत जाने के बाद यदि सड़क से पुल जोड़ा गया और पुल में कोई खामियां उजागर हुई तो उन्हें यह कहने का मौका मिल जाएगा कि कई वर्ष बीत गए हैं पुल पुराना हो गया है और पुराने पुल में कुछ तो मरम्मत का काम निकालता रहेगा अधिकारियों की इस साजिश को उजागर करते हुए तत्काल पुल को दोनों तरफ की सड़कों से जुड़ते हुए पुल का आवागमन चालू करा कर पुल की गुणवत्ता की जांच किए जाने की जरूरत है।

संपादकीय

अदालत और सरकार की मुठभेड़

हमारे सर्वोच्च न्यायालय और केंद्र सरकार के बीच जजों की नियुक्ति पर जो खींचातानी चल रही थी, वह खुले-आम बाजार में आ गई है। सर्वोच्च न्यायालय के चयन-मंडल ने सरकार को जो नाम भेजे थे, उनमें से कुछ पर सरकार ने कई आपत्तियां की थीं। इन आपत्तियों को प्रायः गोपनीय माना जाता है लेकिन सर्वोच्च न्यायालय ने उन्हें जग-जाहिर कर दिया है। इस कदम से यह भी पता चलता है कि भारत में किसी भी उच्च पद पर नियुक्त होनेवाले जजों की नियुक्ति में कितनी सावधानी से काम लिया जाता है। इस बार यह सावधानी जरा जरूरत से ज्यादा दिखाई पड़ी है, क्योंकि एक जज को इसलिए नियुक्त नहीं किया जा रहा है कि वह समलैंगिक है और दूसरे जज को इसलिए कि उसने ट्वीट पर कई बार सरकारी नीतियों का दो-टूक विरोध किया है। जहां तक दूसरे जज का सवाल है, सरकार की आपत्ति से सहमत होना जरा मुश्किल है। क्या सोमशेखर सुंदरेशन ने वे सरकार विरोधी ट्वीट जज रहते हुए किए थे? नहीं, बिल्कुल नहीं। वे जज थे ही नहीं। तब वे वकील थे और अब भी वकील हैं। यदि एक वकील किसी भी मुद्दे पर खुलकर अपनी राय जाहिर नहीं करेगा तो कौन करेगा? भारतीय नागरिक के नाते उसे भी अभिव्यक्ति की पूरी आजादी है। हाँ, अब जज के नाते उन्हें अपनी अभिव्यक्ति पर संयम रखना होगा। सरकार का डर स्वाभाविक है लेकिन उनकी नियुक्ति के पहले उन्हें चेतावनी दी जा सकती है। उनकी नियुक्ति के विरोध से सरकार अपनी ही छवि खराब कर रही है। क्या इसका संदेश यह नहीं निकल रहा है कि सरकार सभी पदों पर जी हुजूरों को चाहती है? दूसरे जज पर यह आपत्ति है कि वह समलैंगिक है और उसका सहवासी एक स्विस नागरिक है। समलैंगिकता न्याय-प्रक्रिया में बाधक कैसे है, यह कोई बताए? दुनिया के कई राजा-महाराजा और प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति समलैंगिक रहे हैं। जहां तक उस जज के सहवासी का विदेशी होना है, कौन नहीं जानता कि भारत के एक प्रधानमंत्री, एक राष्ट्रपति, एक विदेश मंत्री और कई अन्य अत्यंत महत्वपूर्ण लोगों की पत्नियां या पति विदेशी रहे हैं। यह तो मैं अपनी व्यक्तिगत जानकारी के आधार पर कह रहा हूं लेकिन यदि हम खोजने चलें तो ऐसे सैकड़ों मामले सामने आ सकते हैं। यह ठीक है कि ऐसा होना कोई आदर्श स्थिति नहीं है लेकिन आज की दुनिया इतनी छोटी हो चुकी है कि इस तरह के मामले बढ़ते ही चले जाएंगे। भारतीय मूल के लोग आजकल दुनिया के लगभग दर्जन भर देशों में उनके सर्वोच्च पदों पर प्रतिष्ठित हैं या नहीं? बेहतर तो यही होगा कि चयन-मंडल (कालेजियम) का स्वरूप ही बदला जाए और अगर यह फिलहाल नहीं बदलता है तो सरकार और सर्वोच्च न्यायालय में चल रही मुठभेड़ तुरंत रुके। वरना, दोनों की सही कार्रवाइयों को भी जनता मुठभेड़ का चश्मा चढ़ाकर देखेगी।

जोशीमठ के जानलेवा डर

कौशल किशोर

ज्योतिर्मठ में रवि चोपड़ा जैसे विशेषज्ञ व अतुल सती जैसे कार्यकर्ता हिमालय की तस्वीर खूब पेश करते हैं। यहां पर जनता आपसी सहयोग और समन्वय की भावना से 'जोशीमठ बचाओ संघर्ष समिति' के नाम पर एकजुट होती है। वहीं जेपी कॉलोनी में बैडमिंटन कोर्ट के आसपास 70 सेंटीमीटर तक जमीन धंस गई है। कहीं-कहीं 7 से 10 सेंटीमीटर जमीन धंसती है। सौ से अधिक पीड़ित आश्रय गृहों में हैं। हिमालय दरक रहा है। जोशीमठ की जेपी कॉलोनी के नीचे का जलस्रोत दो जनवरी को फट गया था। इसके बाद से दरार तेजी से फैलने लगी और जमीन भी धंसने लगी। इसकी वजह से भय का माहौल व्याप्त हो गया है। छह हजार फीट से अधिक ऊंचाई पर स्थित आदि शंकराचार्य का ज्योतिर्मठ और कत्यूरी साम्राज्य की राजधानी संकट में है। भारत को तिब्बत व चीन से जोड़ने वाले 'सिल्क रूट' पर उन्होंने भारतीय ज्ञान परंपराओं का पुनर्पाठ किया था। आज एक बार फिर सभी की निगाहें जोशीमठ पर टिकी हैं। हिमालय में हो रहे घटनाक्रम को पूरी दुनिया देख भी रही है। प्रधानमंत्री मोदी उत्तराखंड के मुख्यमंत्री को इसकी गंभीरता बताते हैं। नई दिल्ली से लेकर देहरादून और चमोली तक सभी सक्रिय हैं। ब्रिटिश उपनिवेशवाद की खुमारी में पनपे पीएम, सीएम और डीएम के पूरे कुनबे को जमीन पर उतरना पड़ा है। 'एनटीपीसी गो बैक!' इस नारे के साथ लोग सड़कों पर हैं। मुआवजे की मांग करने में भी कम नहीं लगे हैं। बद्रीनाथ कॉरिडोर में दुकानों को मिले मुआवजे से कम कुछ भी नहीं। नौकरशाही इस बीच बहुत व्यस्त है। बेघर हुए लोगों को सुरक्षित स्थान पहुंचाने के साथ पूर्वनिर्मित चार हजार भवनों हेतु सामग्री की व्यवस्था की है। आखिर शीर्ष अदालत भी इससे जुड़ी याचिका की सुनवाई आरंभ कर देती है। ज्योतिर्मठ के नवीन शंकराचार्य की इस जनहित याचिका में महत्वपूर्ण भूमिका है। शासन और प्रशासन जोशीमठ में अस्तित्व का संकट दूर करना सुनिश्चित कर सके, इस आशा के साथ सुप्रीम कोर्ट ने इसमें तत्काल सुनवाई से इनकार किया था। इस बीच प्रधानमंत्री कार्यालय ने इसे 'भूस्खलन प्रभावित क्षेत्र' घोषित किया है। विशेषज्ञों से स्थिति में सुधार के लिए अल्पकालिक और दीर्घकालिक योजना तैयार करने हेतु कहा है। विशेषज्ञ समित अध्ययन पूरा कर निष्कर्ष साझा करेगी। साथ ही अब 'राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण' (एनडीएमए) ने भी सरकारी एजेंसियों को इस पर टिप्पणी करने से बचने का सुझाव दिया है। 'नेशनल थर्मल पावर कॉरपोरेशन' (एनटीपीसी) की 520 मेगावाट क्षमता वाली 'तपोवन-विष्णुगाड़ जलविद्युत परियोजना' (टीवीएचपी) जोशीमठ के करीब है। राज्य का प्रशासन निर्माण कार्य रोकने के लिए कहता है, लेकिन प्रोजेक्ट का काम रुकने का नाम ही नहीं लेता है। 'एनटीपीसी' इस विनाश के लिए किसी तरह की जिम्मेदारी नहीं लेती है। केन्द्र और राज्य की सरकारें इसे मानने को बाध्य प्रतीत होती हैं। 'केंद्रीय बिजली मंत्रालय' की उत्तराखंड सरकार को भेजी प्रतिक्रिया से यही स्पष्ट होता है। इस मामले में 'केंद्रीय गृह मंत्रालय' के साथ चर्चा भी चल रही है।

शासन-प्रशासन के बीच संघर्ष

ललित गर्ग

दिल्ली सरकार एवं उपराज्यपाल के बीच संघर्ष, तकरार एवं विवाद की स्थितियां लम्बी खिंचती चली जा रही है, जो दुर्भाग्यपूर्ण है, चिन्ताजनक है। एक बार फिर चुनी हुई सरकार और प्रशासक के अधिकारों को लेकर जंग छिड़ी हुई है, सरकार स्वच्छन्दता, स्वतंत्रता एवं अधिकारों के मनचाहे उपयोग को चाहती है, लेकिन ऐसा होने से अधिकारों के दुरुपयोग की व्यापक संभावनाएं हैं और ऐसा होते हुए देखा भी गया है। सरकार के मनचाहे जायज एवं नाजायज निर्णयों पर अंकुश स्वस्थ एवं पाददर्शी शासन एवं प्रशासन की अपेक्षा है। नियंत्रण एवं अनुशासन की इन्हीं अपेक्षित स्थितियों को लेकर दिल्ली की आम आदमी पार्टी सरकार विवाद खड़े करती है। भाषा एवं व्यवहार की सीमा एवं संयम का उल्लंघन करती है। कुछ ऐसा ही आम आदमी पार्ट सरकार के पहले कार्यकाल में भी हुआ था, तब मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल आरोप लगाते रहे कि उपराज्यपाल उन्हें काम नहीं करने दे रहे। उन्हें अपना सचिव तक नियुक्त नहीं करने दे रहे। अब भी ऐसे ही आरोप लगाते हुए केजरीवाल कहते हैं उपराज्यपाल है कौन? उन्हें चुनी हुई सरकार के कामकाज में दखलंदाजी का अधिकार दिया किसने? यह बात उन्होंने विधानसभा के विशेष सत्र में कही और बाहर मीडिया के सामने भी। हम चुनी हुई सरकार है। क्या चुनी हुई सरकार का अर्थ ऐसी निरंकुशता एवं स्वच्छंदता होती है?

चुनी हुई सरकार बनाम केंद्र की तरफ से नियुक्त प्रशासक के अधिकारों की लड़ाई अब ऐसे मोड़ पर पहुंच गई लगती है, जिसमें लोकतांत्रिक मूल्य, सिद्धांत और नियम-कायदे कहीं हाशिए पर चले गए हैं। इस लड़ाई में नुकसान दिल्ली के लोगों का हो रहा है। मुख्यमंत्री का आरोप है कि उपराज्यपाल कर्मचारियों के वेतन का भुगतान नहीं होने दे रहे, योजनाओं के लिए धन नहीं दे रहे। उनके आरोप और भी है। वे अपने आरोप लगाते हुए भाषा एवं व्यवहार की सारी मयार्दाएं लांघ जाते हैं। विचित्र एवं चिन्तनीय स्थिति तो यह है कि सरकारी कामकाज में उपराज्यपाल की ओर से कथित हस्तक्षेप के आरोप के साथ केजरीवाल न सिर्फ उनके कार्यालय तक निकाले गए जुलूस में खुद शामिल होते हैं, बल्कि ऐसी भाषा में बात कहते है जिसे मयार्दा के अनुकूल नहीं कहा जा सकता। उन्होंने उपराज्यपाल पर ह्यसामंती मानसिकता से ग्रस्तह्न होने का आरोप तो लगाया, लेकिन खुद ही जिन शब्दों का प्रयोग किया, वह उनकी मंशा को कठघरे में खड़ा करता है।

आलोचना भी हो। स्वस्थ आलोचना, पक्ष और प्रतिपक्ष दोनों को जागरूक रखती है। पर जब आलोचक मौन हो जाते हैं और चापलूस मुखर हो जाते हैं, तब फलित समाज को भुगतना पड़ता है। सही है कि दिल्ली के मतदाताओं ने उन्हें चुन कर भेजा है। लेकिन तथ्य यह भी है कि जनता ने उनके पद के साथ संवैधानिक व्यवस्था के तहत कुछ जवाबदेही निभाने के लिए भी चुना है

यह निश्चित है कि दिल्ली सरकार के किसी फैसले को उपराज्यपाल की सहमति से गुजरना एक निर्धारित प्रक्रिया है। अगर इसमें किसी तरह की अड़चन है तो इस पर विचार या इसका हल भी व्यवस्था के दायरे में ही करना होगा। यह सब निश्चित है, बावजूद इसके मुख्यमंत्री पद पर होते हुए भी केजरीवाल यदि उपराज्यपाल के लिए अभद्र एवं अशालीन भाषा का प्रयोग करते हैं तो इसे लोकतंत्र का हनन ही माना जायेगा। सामान्य जनजीवन में भी सभी लोगों से सभ्य, शालीन और शिष्ट व्यवहार और बोली की अपेक्षा होती है। इसी तरह सत्ता के ढांचे में पद की गरिमा के अनुकूल बर्ताव और बोली की मयार्दा से ही लोकतंत्र जीवंत रह सकेगा। जो व्यवस्था अनुशासन आधारित संहिता से नहीं बंधती, वह विघटन की सीढ़ियों से नीचे उतर जाती है। काम कम हो, माफ किया जा सकता है, पर आचारहीनता तो सोची समझी गलती है- उसे माफ नहीं किया जा सकता। लोकतंत्र की ताकत यही है कि इसमें नेताओं से लेकर नागरिकों तक को विचार और अभिव्यक्ति की आजादी संविधान देता है। लेकिन यही संविधान अनुशासन, नियंत्रण, जबावदेही भी तय करता है कि सीमा एवं मयार्दा में बात कहीं जाये। शासन एवं प्रशासन की ईमानदारी, पारदर्शिता एवं जबावदेही को सुनिश्चित करने के लिये हर स्तर पर नियंत्रण नहीं होकर सर्वोपरि नियंत्रण होना चाहिए। हर स्तर पर नियंत्रण रखने से, सारी शक्ति नियंत्रण को नियंत्रित करने में ही लग जाती है। नियंत्रण और अनुशासन में फर्क है। नीतिगत नियंत्रण या अनुशासन लाने के लिए आवश्यक है सर्वोपरि स्तर पर आदर्श स्थिति हो, तो नियंत्रण सभी स्तर पर स्वयं रहेगा और वास्तविक रूप में रहेगा मात्र ऊपरी तौर पर नहीं। अधिकार किसी के कम नहीं हों। स्वतंत्रता किसी की प्रभावित नहीं हो। पर इनकी उपयोग में भी सीमा और संयम हो। कानूनी व्यवस्था में गलती करने पर दण्ड का प्रावधान है, लेकिन शासन एवं प्रशासन की व्यवस्था में कोई दण्ड का प्रावधान नहीं है। यही कारण है कि किसी एक व्यक्ति को संपूर्ण अधिकार देने में हिचकिचाहट रहती है। पंच-पंचायत का वक्त पुनः लौट नहीं सकता जब तक कि समाज में वैसे लोगों को पैदा करने का धरातल नहीं बने। वैसे फैसलों पर फूल चढ़ाने की मानसिकता नहीं बने। लेकिन दिल्ली सरकार ने अपने निर्णयों को लेकर अकारण विवाद खड़े किये हैं, संदेह एवं शंकाएं पैदा की हैं। हर स्तर पर दायित्व के साथ आचार संहिता अवश्य हो। दायित्व बंधन अवश्य लायें। निरंकुशता नहीं।

आलोचना भी हो। स्वस्थ आलोचना, पक्ष और प्रतिपक्ष दोनों को जागरूक रखती है। पर जब आलोचक मौन हो जाते हैं और चापलूस मुखर हो जाते हैं, तब फलित समाज को भुगतना पड़ता है। सही है कि दिल्ली के मतदाताओं ने उन्हें चुन कर भेजा है। लेकिन तथ्य यह भी है कि जनता ने उनके पद के साथ संवैधानिक व्यवस्था के तहत कुछ जवाबदेही निभाने के लिए भी चुना है, जिसमें लोकतंत्र की गरिमा और मयार्दा कायम रखना सबसे ऊपर है। दिल्ली के शासन-प्रशासन और सरकार के ढांचे में उपराज्यपाल पद की एक भूमिका और उसके मुताबिक जिम्मेदारियां तय की गई हैं। उन्हें उनकी जिम्मेदारियां निभाने दो।

चुनी हुई सरकार बनाम उपराज्यपाल के दो पाटों के बीच की दूरी को पाटने के लिए बहुत आवश्यक है पुल बने ताकि राजनीतिक द्वंद्व एवं विवाद को मिटाया जा सके। अभी लगता नहीं कि दोनों के बीच की तकरार खत्म होने वाली है। दरअसल, उपराज्यपाल ने कार्यभार संभालने के साथ ही जिस तरह दिल्ली सरकार की नई आबकारी नीति में हुई अनियमितता का मामला उजागर करते हुए कई अधिकारियों को बर्खास्त कर दिया और उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के ठिकानों पर छापे डाले गए, उससे दिल्ली सरकार और आम आदमी पार्ट एकदम से आक्रोशित हो उठी। उसने भी उपराज्यपाल के खिलाफ भ्रष्टाचार के मामले उजागर करने का प्रयास किया। धनशोधन मामले में दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन को जेल भेज दिया गया, वह भी उसकी नाराजगी का बड़ा कारण बना। फिर उपराज्यपाल दिल्ली सरकार के फैसलों पर प्रश्नचिह्न लगाने शुरू कर दिए। उसकी फाइलें या तो बिना मंजूरी के लौटाई जाने लगीं या फिर उन्हें रोका जाने लगा। नगर निगम चुनावों के बाद महापौर चुनाव से पहले उपराज्यपाल ने अलग से सदस्यों को मनोनीत करने के अपने विवेकाधिकार का इस्तेमाल किया, तो आम आदमी पार्ट बौखला गयी। नतीजतन, वह चुनाव स्थगित करना पड़ा। मुख्यमंत्री का आरोप है कि उपराज्यपाल सीधे अधिकारियों को आदेश देते हैं, उनसे फाइलें मंगा लेते हैं। अब यह केवल तथाकथित नेताओं के बलबूते की बात नहीं रही कि वे गिरते राजनीतिक एवं प्रशासनिक मूल्यों को थाम सकें, समस्याओं से ग्रस्त राजनीतिक व राष्ट्रीय ढांचे को सुधार सकें, तोड़कर नया बना सकें। एक प्रशस्त मार्ग दें सके। सही वक्त में सही बात कहें सके। ह्वसिस्टमह्न की रोग मुक्ति, स्वस्थ लोकतंत्र का आधार होगा। राष्ट्रीय चरित्र एवं राजनीतिक चरित्र निर्माण के लिए नेताओं को आचार संहिता से बांधना ही होगा।

दो राहगीर एक बार एक दिशा की ओर जा रहे थे। एक ने पगडंडी को अपना माध्यम बनाया, दूसरे ने बीहड़, उबड़-खाबड़ रास्ता चुना। जब दोनों लक्ष्य तक पहुंचे तो पहला मुस्कुरा रहा था और दूसरा दर्द से कराह रहा था, लहूलुहान था। केजरीवालजी थक जाओ उससे पहले मुस्कुराने का मार्ग चुनो।

कौन निकालता है बुजुर्गों को अपने घरों से बाहर

आर.के. सिन्हा

राजधानी दिल्ली का पॉश ग्रेटर कैलाश इलाका। यहां समाज के सबसे सफल, असरदार और धनी समझे जाने वाले लोग ही रहते हैं। बड़ी-बड़ी कोठियों के उनके अंदर-बाहर लग्जरी कारें खड़ी होती हैं। लगता है, मानो इधर किसी को कोई कष्ट या परेशानी नहीं है। पर यह पूरा सच नहीं है। अभी हाल ही में यहां के एक बुजुर्गों के बसेरे, जिसे वृद्धाश्रम या एज ओल्ड होम भी कहते हैं, में आग लगने के कारण क्रमशः 86 और 92 वर्षों के दो वयोवद्ध नागरिकों की जान चली गई। जरा सोचिए, कि इस कड़ाके की सर्दी में उन्होंने कितने कष्ट में प्राण त्यागे होंगे। इस वृद्धाश्रम में रहने वाले हरेक व्यक्ति को हर माह सवा लाख रुपये से अधिक देना होता है। यानी यहां पर सिर्फ धनी-सम्पन्न परिवारों के बुजुर्गों को ही रख सकते हैं। अफसोस कि इन बुजुर्गों को इनके घर वालों ने इनके जीवन के संध्याकाल में घर से बाहर निकाल दिया। यह कहानी देश के उन लाखों बुजुर्गों की है, जिन्हें उनके परिवारों में बोझ समझा जाने लगा है। अगर इनका आय का कोई स्रोत नहीं है तो इनका जीवन वास्तव में कष्टकारी है। देखिए, भारत में तेजी से बढ़ती जा रही है बुजुर्गों की आबादी। एक अनुमान के मुताबिक, 14 बरस बाद, यानी 2036 में हर 100 लोगों में से केवल 23 ही युवा बचेंगे, जबकि 15 लोग बुजुर्ग होंगे। सरकार की एक रिपोर्ट के अनुसार, फिलहाल देश के हर 100 लोगों में से 27 युवा और 10 बुजुर्ग हैं। 2011 में भारत की आबादी 121.1 करोड़ थी। 2021 में 136.3 करोड़ पहुंच गई। इसमें 27.3 फीसद आबादी युवाओं, यानी 15 से 29 साल की आयु वालों की है। यूथ इन इंडिया 2022 की रिपोर्ट के मुताबिक, 2036 तक युवाओं की संख्या ढाई करोड़ कम हो जाएगी। फिलहाल देश में युवाओं की आबादी वर्तमान में 37.14 करोड़ है। यह 2036 में घटकर 34.55 करोड़ हो जाएगी। देश में इन दिनों 10.1 फीसद बुजुर्ग हैं, जो 2036 तक बढ़कर 14.9 प्रतिशत हो जाएंगे। मतलब बुजुर्गों की संख्या बढ़ रही है।\ जिस देश में बुजुर्गों की तादाद इतनी तेजी से बढ़ रही है, वहां पर सरकार को बुजुर्गों के लिए कोई ठोस योजना तो बनानी ही होगी, ताकि वे अपने जीवन का अंतिम समय आराम से वक्त गुजार सकें। उन्हें दवाई और दूसरी मेडिकल सुविधाएं मिलने में दिक्कत न हो। उनका बुढ़ापा खराब न हो। राजधानी दिल्ली के राजपुर रोड में भी एक बुजुर्गों का बसेरा है। यहां पर करीब 35-40 बुजुर्गों के लिए रहने का स्पेस है। इसे सेंट स्टीफंस कॉलेज तथा सेंट स्टीफंस अस्पताल को स्थापित करने वाली संस्था दिल्ली बद्रहुड सोसायटी चलाती है। इनके कुछ बसेरे अन्य स्थानों और शहरों में भी हैं। यहां पर भी बेबस और मजबूर वृद्ध ही रहते हैं। ये रोज सुबह से इंतजार करने लगते हैं कि शायद कोई उनके घर से उनका हाल-चाल जानने के लिए आए। पर उनका इंतजार कभी खत्म ही नहीं होता। कभी-कभार ही किसी बुजुर्ग का रिश्तेदार कुछ मिनटों के लिए आकर औपचारिकता पूरी कर निकल जाता है। यहां पर रहने वालों से कोई पैसा नहीं लिया जाता। उन्हें दो वक्त का भोजन, सुबह का नाश्ता और चाय भी मिल जाती है। कुछ दानवीरों की मदद से संचालित दिल्ली ब्रदरहुड सोसायटी की तरह से चलाए जा रहे बुजुर्गों के बसेरे देश में गिनती के ही होंगे। वर्ना तो सब पैसा मांगते है किसी बुजुर्ग को अपने यहां रखने के लिए। हालांकि यह बात भी है कि बसेरा चलाने के लिए पैसा तो चाहिए ही। पैसे के बिना काम कैसे होगा। दरअसल बुजुर्गों के लिए स्पेस घटने के कई कारण समझ आ रहे हैं। जब से संयुक्त परिवार खत्म होने लगे तब से बुजुर्गों के सामने संकट पैदा होने लगा है। संयुक्त परिवारों में तो उम्र दराज हो गए लोगों का ख्याल कर लिया जाता था। तब बच्चे और बुजुर्ग सबके- साझे हुआ करते थे। उन्हें परिवार के सभी सदस्य मिलजुल कर देख लिया करते थे। परिवार का बुजुर्ग सबका आदरणीय होता था। संयुक्त परिवारों के छिन्न-भिन्न होने के कारण स्थिति वास्तव में विकट हो रही है। एक दौर था जब बिहार और उत्तर प्रदेश के हरेक घर के आगे सुबह परिवार के बुजुर्ग सदस्य सुबह चाय पीते हुए अखबार पढ़ रहे होते थे। जिन परिवारों में बुजुर्ग नहीं होते थे उन्हें बड़ा ही अभागा समझा जाता था। पर अब इन राज्यों में भी बुजुर्ग अकेले रहने को अभिशप्त हैं। मुझे इन राज्यों के बैंगलुरू, मुंबई, दिल्ली, गुरुग्राम में रहने वाले अनेक नौकरीपेशा लोग मिलते हैं। वे अच्छा-खासा कमा रहे हैं। उनसे बातचीत करने में पता चलता है कि उनके साथ उनके माता-पिता नहीं रहते। वे अपने पुश्तैनी घरों में ही हैं। इसका मतलब साफ है कि अगर वे संयुक्त परिवारों में नहीं हैं तो वे राम भरोसे ही हैं। कारण बहुत साफ है। अब बिहार-उत्तर प्रदेश का समाज भी पहल की तरह नहीं रहा। वहां पर भी कई तरह के अभिशाप आ गए हैं। एक बात समझ ली जाए कि हमे अपने बुजुर्गों के ऊपर पर्याप्त ध्यान देना ही होगा। उनका अपने परिवारों को शिक्षित करने से लेकर राष्ट्र निर्माण में अमूल्य योगदान रहता है। गांधी जी और गुरुदेव रविन्द्रनाथ टेगौर के सहयोगी रहे दीनबंधु सीएफ एन्ड्रूज से संबंध रखने वाली दिल्ली ब्रदरहुड़ सोसायटी की तरफ से चलाए जाने वाले बसेरों में तो उन बुजुर्गों का अंतिम संस्कार भी करवाया जाता है जिनका निधन हो जाता है। कई बार सूचना देने पर भी दिवंगत बुजुर्गों के सगे-संबंधी पूछने तक नहीं आते। तब बसेरे में काम करने वाले ही दिवंगत इंसान का अंतिम संस्कार करवा देते हैं। जरा सोच लीजिए कि कितना कठोर और पत्थर दिल होता जा रहा है समाज।

केंद्र और राज्य सरकारों को मंदिरों, मस्जिदों, गुरुद्वारों,गिरिजाघरों वगैरह में भी बुजुर्गों के बसेरे खोलने के बारे में विचार करना चाहिए। इनके पास पर्याप्त स्पेस भी होता है। इनमें कुछ बुजुर्ग रह ही सकते हैं। वैसे सबसे आदर्श स्थिति तो वह होगी जब परिवार ही अपने बुजुर्ग सदस्यों का ख्याल करेंगे। आखिर कौन चाहता है कि वह इतना अभागा हो कि घर से बाहर अपने बुढ़ापे के दिन गुजारे।

(लेखक, वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं।)

भारत के गांव-गांव रामचरितमानस पढ़ी और गायी जाती है...

हृदयनारायण दीक्षित

श्रीराम भारत के मन का धीरज हैं। मर्यादा पुरुषोत्तम भी हैं। भारत की अनेक भाषाओं में रामकथा लिखी गई है। दक्षिण भारत में ऋषि कंबन ने रामकथा लिखी है। पहली रामकथा महर्षि वाल्मिकि ने लिखी थी। इसे रामायण की संज्ञा मिली। वाल्मीकि परंपरा में आदिकवि हैं। मध्य काल में महाकवि तुलसीदास ने रामचरितमानस लिखी। रामचरितमानस में प्राचीन दर्शन है। समाज विज्ञान है। भक्ति का अथाह सागर है। ऐसी लोकप्रिय पुस्तक दुनिया के किसी भी देश में नहीं मिलती। भारत के गांव-गांव रामचरितमानस पढ़ी और गायी जाती है। डॉ. राम मनोहर लोहिया समाजवादी थे। उन्होंने 'राम, कृष्ण और शिव' में राम के व्यक्तित्व पर तथ्यपरक भावप्रवण टिप्पणी की है। लोहिया ने लिखा है रामायण के सभी पात्र अश्रुलोचन हैं। सभी पात्र आंसू बहाते दिखाई पड़ते हैं। उन्होंने राम, कृष्ण और शिव को भारत के तीन स्वप्न बताया था। राम के व्यक्तित्व का केंद्र मयार्दा है। कृष्ण में प्रेम की पूर्णता है और शिव में उन्मुक्तता। लोहिया रामचरितमानस को रामायण कहते थे। डॉ. लोहिया ने चित्रकूट में विश्व रामायण मेला लगवाया था। समाजवादी लोहिया राम पर मोहित थे और आज के कथित समाजवादी रामचरितमानस से कथित अप्रिय प्रसंग निकालकर देश का वातावरण खराब करते हैं। बिहार के शिक्षा मंत्री ने रामचरितमानस पर आक्रमण किया है। रामचरितमानस इतिहास के मध्य काल की रचना है। तब लोगों में निराशा थी। सांस्कृतिक तत्वों के निंदक भी थे। तुलसीदास ने रामचरितमानस में ऐसे निंदकों को प्रणाम किया है। वे रामचरितमानस की शुरूआत में सभी अग्रजों का स्मरण करते हैं। वाल्मीकि सहित सभी विद्वानों को प्रणाम के बाद कहते हैं, 'मैं उनको भी प्रणाम करता हूं जो अकारण दाएं बाएं किया करते हैं। ऐसे लोग परहित की हानि को अपना लाभ मानते हैं। दूसरों के उजड़ जाने पर प्रसन्न होते हैं। जे बिनु काज दाहिनेहु बाएं।' तुलसीदास ने कहा है कि वे परंपरागत ग्रंथों के शुभ तत्व के आधार पर रामचरितमानस लिख रहे हैं। उनका ध्येय दुखों कष्टों को दूर करना और समाज को प्रेरित करना है। इस कथा में रामराज्य का आदर्श है। गांधी जी ने रामराज्य को आदर्श बताया था। तुलसी के अनुसार यह कथा, 'मंगल करनि कलिमल हरनि' है। शिक्षा मंत्री ने 'ढोल गंवार शूद्र पशु नारी' की चैपाई को स्त्री अपमान से जोड़ा है। यह चौपाई रामकथा में श्रीराम का कथन नहीं है। कथा प्रसंग को बढ़ाने के लिए तुलसीदास का कथन भी नहीं है। श्रीराम समुद्र तट पर खड़े हैं। लंका तक पहुंचने के लिए समुद्र से रास्ता मांग रहे हैं। लेकिन समुद्र रास्ता नहीं दे रहा है। श्रीराम लक्ष्मण से कहते हैं, 'विनय न मानत जलधि जड़ गए तीन दिन बीति/बोले राम सकोप ताब बिनु भय होय न प्रीत।' लक्ष्मण से कहते हैं कि धनुष बाण लाइए। कुटिल विनय से प्रभावित नहीं होते। मोहग्रस्त के सामने ज्ञान मीमांसा का कोई अर्थ नहीं। यह ऊसर में बीज बोने जैसा है। यह सब कहने के बाद श्रीराम समुद्र पर आक्रमण की घोषणा करते हैं। समुद्र कहता है प्रभु ने ठीक किया जो मेरा मार्गदर्शन किया। ढोल गंवार पशु और नारी सीधी बात नहीं मानते। यह वक्तव्य श्रीराम का नहीं है। यह टिप्पणी समुद्र की है। भरतमुनि ने नाट्यशास्त्र में नायक के लिए उदात्त चरित्र और आदर्श गुणों के होने की शर्त रखी है। खलनायक के बारे में कहा है कि उसे तत्कालीन समाज व्यवस्था और आदर्श का विरोधी होना चाहिए। खलनायक की पराजय और नायक की विजय भारतीय नाट्य परंपरा का सुस्थापित सिद्धांत है। लेकिन समुद्र द्वारा कही गई चौपाई के माध्यम से रामचरितमानस पर लांछन लगाया जा रहा है। रामचरितमानस में नारी सम्मान का शिखर है। राम ने किष्किंधा के राजा बालि को मार दिया था। घायल बालि ने राम से पूछा, 'मैं बैरी सुग्रीव पियारा। अवगुण कवन नाथ मोहि मारा। श्रीराम का उतर ध्यान देने योग्य है, 'अनुज वधू भगिनी सुत नारी। सुन सठ ये कन्या समचारी। इनहि कुदृष्टि विलोकई जोई। ताहि बधे कुछ पाप न होई।' स्त्रियों से छेड़खानी आदि की घटनाओं पर कानूनों को कड़ा करने की मांग उठती है। रामचरितमानस में सीधे मृत्युदण्ड की बात कही गई है। संस्कृति और दर्शन में कुछ शाश्वत तत्व होते हैं। कुछ विषय तात्कालिक और समकालीन होते हैं। विवेचना करते समय देश काल का भी ध्यान रखना चाहिए।

बिना रीढ़ की बातें

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

हर दिन गरमागरम मुद्दों से जलाकर मारने वाली मीडिया आज जलकर मरने वालों की खबर दिखाने जा रही थी। कुल सत्ताईस लोग मरे थे। इस खबर से मीडिया में एक ओर दुख तो दूसरी ओर खुशी का वातावरण छाया हुआ था। दुख इस बात का कि हमारे रहते जलाने का जिम्मा कोई और कैसे उठा सकता है। हमारे जलाने में क्या कोई कमी रह गई थी जो हमसे होड़ लेने नए-नए बंदे मार्केट में उतर आए हैं। दूसरी ओर खुशी इस बात का कि मीडिया की तुलना में जलकर मरने वालों की संख्या समुद्र में एक बूँद के बराबर भी न थी। पहले बंदूकें ईमानदार थी, इसलिए बदनाम थी। शोर-शराबा ज्यादा होता था। आज बंदूकें मीडिया का साइलेंसर लगाकर चलाई जा रही हैं। कभी हिंदू-मुस्लिम का बुलेट तो कभी अजान-चालीसा का बुलेट लिए। बहुत दिनों बाद आज मीडिया वाले स्टूडियो के बाहर की दुनिया दिखाने वाले थे। नहीं तो दिन भर स्टूडियो में चार-पाँच छोटी-छोटी खिड़कियों में से झांककर देखने वाले चेहरों के साथ बात करने में अपने पिछवाड़े की धन्यता समझते थे। एक रिपोर्टर अपने कैमरामेन के साथ घटनास्थल पर पहुँचा तो कई जलकर राख हो गई लाशों में से किसी एक की रीढ़ की हड्डी दिखाई दी। यह देखने की देर थी कि मीडियाभर में तहलका मच गया कि मरने वाला रीढ़धारी था। मांस के लुथड़ों में रहने वालों के बीच रीढधारी का होना बलात्कारियों के बीच एक भोली-भाली अबला का होना था।

फटाफट खबरें

उप्र स्थापना दिवस पर मैराथन दौड में सतीश व लवली सिंह ने मारी बाजी

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। शासन के निर्देश पर मनाये जा रहे उप्र स्थापना दिवस पर नगर पालिका परिषद कर्वी के स्वच्छता विरासत कार्यक्रम के तहत मैराथन दौड को जिलाधिकारी अभिषेक आनन्द ने कलेक्टेज्ट के सामने हरीझंडी दिखाकर रवाना किया। ये दौड कलेक्टेज्ट से लेकर देवांगना तिराहे तक हुई।

शनिवार को जिलाधिकारी ने कहा कि सभी की जिम्मेदारी है कि अपने आसपास की सफाई रखें। वातावरण स्वच्छ रहेगा तो सभी लोग स्वस्थ्य रहेंगे। बीमारियां नहीं होंगी। जिस ढंग से देश-प्रदेश विकास के पथ पर बढ रहा है, उसी प्रकार युवक-युवतियां दौड में भाग लेकर स्वस्थ्य रहें। मैराथन दौड में बालक वर्ग में सतीश सिंह ने बाजी मारी। दूसरे स्थान पर चन्दन व तीसरे स्थान पर शैलेन्द्र यादव, चैथे स्थान पर रणजीत, पांचवे स्थान पर सुनील कुमार और छठवां स्थान राहुल को मिला। बालिका वर्ग में चित्रकूट इंटर कालेज की छात्रा लवली सिंह को प्रथम, सोनाली द्वितीय, सारिका पाल तृतीय, बबली चतुर्थ, अंजली को पंचम व छठवां स्थान ईशा को मिला। सभी विजेताओं को नगर पालिका परिषद के चेयरमैन नरेन्द्र गुप्ता और एडीएम कुंवर बहादुर सिंह ने नकद पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। स्वच्छता के क्षेत्र में अच्छी सेवा देने वाले शंकर यादव और राकेश केशरवानी को भी सम्मानित किया।

एडीएम कुंवर बहादुर सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस पर स्वच्छ विरासत एवं जी20 के उपलक्ष्य में मैराथन दौड शासन के निर्देश पर नगर पालिका ने अच्छे ढंग से किया है। इसमें लगभग डेढ सौ छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया। चेयरमैन नरेन्द्र गुप्ता ने सभी प्रतिभागियों को बधाई दी। कार्यक्रम का सफल संचालन क्षेत्रीय क्रीडा अधिकारी विजय कुमार ने किया। ईओ नगर पालिका लालजी यादव आदि ने जिलाधिकारी समेत अधिकारियों को पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। इस मौके पर एएसडीएम रामजन्म यादव, तहसीलदार राकेश कुमार पाठक, तहसीलदार राजापुर संजय अग्रहरि, क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी अनुपम श्रीवास्तव, रमेशचन्द्र त्रिपाठी, कामता प्रसाद आदि मौजूद रहे।

अतर्रा को हराकर सेमीफाइनल में पहुंचा सतना

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। सदर ब्लॉक के पुरवा तरौहां में खेले जा रहे मां कालिका देवी क्रिकेट चैलेंज कप के क्वार्टर फाइनल में सतना के रंगबाज स्पोर्टिंग क्लब टीम ने अतर्रा की टीम को 22 रन से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। मैच की शुरूवात मुख्य अतिथि संदीप त्रिपाठी और विशिष्ट अतिथि श्यामलाल यादव और मेराज सिद्दीकी ने खिलाड़ियो से परिचय प्राप्त कर कराया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए सतना टीम ने निर्धारित 15 ओवर 78 रन बनाकर आल ऑउट हो गयी। सतना के पवन यादव ने सर्वाधिक 21 रन 18 गेंद में, सचिन ने 17 रन और रामू ने 16 रन बनाये। अतर्रा के संजू ने 4 और मयंक ने तीन विकेट झटके। लक्ष्य का पीछा करने उतरी अतर्रा टीम की शुरूवात बेहद खराब रही। अतर्रा टीम मात्र 56 रन ही बना सकी और मुकाबला 23 रन से हार गई। तीन विकेट और सात रन बनाने वाले सतना के खिलाड़ी राम तिवारी को मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार संदीप त्रिपाठी, सुभाष चंद्र मिश्र और अतुल त्रिवेदी द्वारा दिया गया। मैच में अंपायर संदीप यादव और राकेश दहिया, कॉमेंटेटर विनय (राजा भाई), प्रभाकर तिवारी स्कोरर तीरथ वर्मा और रमेश मिश्रा रहे। सहयोगी के रूप में अजय यादव, गौरव मिश्रा, शरीफ खान, गोपाल मिश्रा, ललित त्रिपाठी, हिमांशु, ललित, अंकुर समेत भारी संख्या में दर्शक मौजूद रहे। मीडिया मैनेजर पवन मिश्रा ने बताया कल दिन के दूसरे मुकाबले में पुरवा तरौहां ने शिवरामपुर को हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया था।

26 को भाकियू करेगा ट्रैक्टर मार्च

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। भाकियू ने केंद्रीय आवाहन पर राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत के निर्देश पर राष्ट्रीय पर्व 26 जनवरी पर ट्रैक्टर मार्च करते हुए किसान कलेक्ट्रेट पहुंचेगे।

शनिवार को भाकियू जिलाध्यक्ष रामसिंह राही की अगुवाई में गल्लामंडी परिसर में हुई बैठक में कहा कि दिल्ली आन्दोलन समझौता पर सरकार की वादा खिलाफी पर भारत सरकार को ज्ञापन दिया जायेगा। 26 जनवरी राष्ट्रीय पर्व पर किसान भाकियू की अगुवाई में ट्रैक्टर मार्च कर कलेक्ट्रेट पहुंच कर जिलाधिकारी को भारत सरकार सम्बोधित ज्ञापन सौंपेंगे। किसानों की समस्याओं पर भारत सरकार वादा खिलाफी कर रही है। अपनी बात से मुकर गई हैं। एमएसपी गारंटी कानून, एनजीटी कानून समेत किसानों के साथ किये वादे पर काम नही कर रही है। बैठक में भाकियू जिला तहसील ब्लॉक स्तर के पदाधिकारियों ने शिरकत की। यह जानकारी भाकियू मीडिया प्रभारी देवेन्द्र सिंह ने दी।

तुलसीदास की मूर्ति के आसपास हटवायें अतिक्रमण

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जिलाधिकारी अभिषेक आनन्द ने सम्पूर्ण समाधान दिवस के बाद लूपलाइन राजापुर चैराहा में स्थित गोस्वामी तुलसीदास की मूर्ति के सुन्दरीकरण बाबत निरीक्षण किया।

शनिवार को जिलाधिकारी ने मूर्ति का निरीक्षण कर ईओ राजापुर को निर्देश दिये कि गुम्बद को बडा करके चैडाई से बनाया जाये। उसी के ऊपर गोस्वामी तुलसीदास की मूर्ति लगाई जाये। अच्छे से लाइटिंग करायें। उन्होंने एसडीएम राजापुर से कहा कि ऊपर से गई हाईटेंशन विद्युत लाइन को एक्सईएन विद्युत से सम्पर्क कर निस्तारित करायें। चैराहे के अगल-बगल जो अतिक्रमण है, उसे तत्काल हटायें।

निरीक्षण में डीएम के साथ एसडीएम राजापुर प्रमोद कुमार झां, सीओ राजापुर एसपी सोनकर, तहसीलदार संजय अग्रहरि, ईओ राजापुर बीएन कुशवाहा आदि मौजूद रहे।

शहर की विषैली हवाओं के दंश को डीएम ने किया दर किनार

- लोग चाय-पान की दुकानों में सिर्फ विकास की चर्चा करते नजर आ रहे- कुछ लोग उदासी और खीझ भरा उतार रहे गुस्सा

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। आज अपने शहर कर्वी-चित्रकूट के चेहरे पर थोडी-बहुत उदासी कुछ-कुछ खीझ ढेर सारा गुस्सा कमोबेश उपेक्षा एवं पछतावे के भाव के साथ लोगबाग चाय की दुकानों पर उठते-बैठते सबकी जुबां पर सिर्फ विकास ही विकास की चर्चा सुनने को मिल रही है। ये सब विकास का श्रेय सिर्फ सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ जिलाधिकारी अभिषेक आनन्द के रहते ही सम्भव हो पाया है। इसके पहले तो यहां से हर मोड पर कातिलों की बस्ती आबाद थी।

शनिवार को अपने शहर के राजनीतिज्ञों की शतरंजी विसात एवं उनकी साजिशों में शहर का वजूद उनके स्वार्थों, लिप्सा एवं अहंकार के हस्ताक्षर करता नजर आता दिख रहा है। ऐसे में विषैली हवाओं की दंश को दर किनार कर जिलाधिकारी अभिषेक आनन्द ने जिले में विकास की नई इबारत दर्ज करना शुरू किया है। शहर में चहुंओर लोग चाय-पान की दुकानों में उठते-बैठते सिर्फ ये सवाल करते नजर आ रहे हैं कि जिला मुख्यालय कर्वी-चित्रकूट का विकास बडी तेजी से हो रहा है। विवादों के आगे-पीछे जाकर देखें तो अपना ये शहर आज उस मुकाम पर है, जहां पिछडे आर्थिक सम्पन्नता समर्थ राजनीतिक हस्ताक्षेप के चलते सुरक्षा की तलाश में बिल में दुबके मनवाला आदमी-यही तो जिन्दगी है- जैसे-तैसे जी रहा था।

जैसे-तैसे की जिन्दगी को विकास की नई इबारत से सजाने-संवारने की तवारीख जिलाधिकारी अभिषेक आनन्द ने दर्ज करना शुरू कर दिया है।

विकास की यहां ऐसी धारा बहाई है कि कई सदियों तक लोग डीएम अभिषेक आनन्द को भूल नहीं सकेंगे। उन्होंने जिस पवित्र मन से ये सब कर दिखाया है, उसे लोग लम्बे समय तक याद रखेंगे। उन्होंने ट्राफिक चैराहे को जिस अंदाज में संवारने का बीडा उठाया है, वह अंदाज भी कुछ जुदा किस्म का है। ट्राफिक चैराहे में जिस तरह से जर्जर इमारतों को ढहाया गया है और कुछ दुकानों को भी ढहाकर सुन्दरीकरण किया जा रहा है। वह काबिले तारीफ ही कहा जायेगा।

जिलाधिकारी अभिषेक आनन्द सिर्फ कर्वी तक के ही विकास से संतुष्ट नहीं हैं, बल्कि वे गोस्वामी तुलसीदास की जन्मभूमि राजापुर का भी चहुंमुखी विकास के तलबगार हैं। ये सब वे अंजाम दे सके हैं तो सूबे की योगी आदित्यनाथ की सरकार की बदौलत। उन्होंने राजापुर में तुलसीदास की मूर्ति के सुन्दरीकरण के साथ बेहतरीन ढंग से लाइटिंग की व्यवस्था की भी जिम्मेदारी सौंपी है।

जिला मुख्यालय में ट्राफिक चैराहे में जिस अंदाज में धनुष के आकार के चैराहे का निर्माण कराया जा रहा है, वह स्वतः में अद्वितीय ही कहा जायेगा। भगवान श्रीराम की नगरी में धनुष का अपना स्वतः में अलग ही महत्व है। ट्राफिक चैराहा जब बनकर तैयार होगा तो लोगों के लिए आकर्षण का केन्द्र बिन्दु बनेगा। इसी प्रकार से कोठी तालाब, गणेश बाग आदि स्थानों का सुन्दरीकरण भी नई इबारत लिखता नजर आयेगा। इस तरह से पवित्र मन से जिलाधिकारी के कार्य करने पर कुछ लोगों की निगाह में उनका खटकना वाजिब तो नहीं, अलबत्ता दुरभि मानसिकता कही जायेगी। ऐसे लोगों में वे तत्व शामिल हैं, जिन्हें जिलाधिकारी तरजीह नहीं दे रहे। हालांकि आम जनता को उनसे कोई शिकायत नहीं है।

नरहरपुर प्राथमिक विद्यालय के छात्र छात्राओं ने निकाली सड़क सुरक्षा जागरूकता रैली

अखंड भारत संदेश

सफीपुर उन्नाव । विकास खंड सफीपुर के प्राथमिक विद्यालय नरहरपुर में प्रधानाध्यापक सत्य प्रकाश द्विवेदी एवं अन्य शिक्षकों द्वारा बच्चों को अच्छी शिक्षा प्रदान करने के साथ ही उन्हें अन्य अनेक महत्वपूर्ण बिंदुओं के प्रति जानकारी देकर दूसरों को भी जागरूक करने के लिए प्रायः प्राया प्रेरित किया जाता रहता है इसी क्रम में शनिवार को सड़क सुरक्षा सप्ताह के अंतर्गत प्राथमिक विद्यालय नरहरपुर के छात्र एवं छात्राओं द्वारा चार्ट पर स्लोगन लिख कर गाँव में रैली निकाल कर नागरिकों को जागरूक किया गया। बच्चों द्वारा बाइक पर जा रहे लोगों को रोक कर हेलमेट लगाकर ही घर से निकलने के लिए कहा गया। जिससे कि आप सुरक्षित

रहे। जब आप सुरक्षित होगे तो परिवार खुशहाल रहेगा।

सड़क सुरक्षा का रखो ध्यान ट्रैफिक नियमों का करो सम्मान

आपका भविष्य आपके हाथ हेलमेट सदा रखे साथ आदि नारे लगाकर लोगो को जगरूक किया गय। इस अवसर पर प्रधान शिक्षक सत्य प्रकाश द्विवेदी, सहायक शिक्षक रजनी कटियार, शिक्षा मित्र सुनील कुमार एवं अन्य लोग उपस्थित रहे।

यूपी लोक सेवा आयोग की परीक्षा पास कर समीक्षा अधिकारी बनकर सरिता द्विवेदी ने परिवार का गौरव बढ़ाया

अखंड भारत संदेश

उन्नाव । शुक्रवार को लोक सेवा आयोग का परिणाम घोषित किया गया। जिसमें उत्तीर्ण अभ्यर्थियों में सरिता द्विवेदी ने भी सफलता प्राप्त की। सरिता द्विवेदी उन्नाव जनपद में बांगरमऊ तहसील के अटवा बैंक गांव के निवासी किसान राजकुमार द्विवेदी की 5 बेटियों में सबसे बड़ी बेटी हैं। गांव से प्राथमिक शिक्षा प्राप्त कर इंटर मीडिएट की परीक्षा सन 2007 में उत्तीर्ण की और गांव में ही शिक्षामित्र के पद पर वर्ष 2012 में चयनित हो गईं। इसके बाद कठिन लगन एवं परिश्रम से 2016 में स्वास्थ्य विभाग में सरोसी सीएचसी पर डार्क रूम असिस्टेंट के पद पर सफलता पाकर उसकी नियुक्त हुई। तथा 2018 में उसने शिक्षा विभाग में फिर वापसी की व सफीपुर विकासखंड के लूटापुर में शिक्षक के पद पर तैनाती हुई। फिर भी उसने

लगातार अपना प्रयास जारी रखा उसकी मेहनत रंग लाई और तीसरे प्रयास में यूपी लोकसेवा आयोग की परीक्षा में 2021 में सफलता हासिल कर समीक्षा अधिकारी सहायक समीक्षा अधिकारी (आर .ओ - ए .आर ओ.) के पद पर कामयाबी मिल गई। सरिता द्विवेदी का कथन है कि समाज के लिए कुछ करने का जज्बा ही उन्हें इस तरफ ले गया। उन्होंने कहा शिक्षा से हर मुकाम पाना आसान है। बगैर मेहनत व लक्ष्य निर्धारित किए सफलता संभव नहीं। छात्र-छात्राओं को चाहिए कि वह जीवन में आगे बढ़ने के लिए पहले लक्ष्य निर्धारित करें। सरिता दिव्वेदी के चयन पर उनके विभागीय शिक्षक एवं शिक्षिकाओं सहित शुभचिंतकों ने हर्ष व्यक्त कर बधाई एवं शुभकामनाएं दी है।

शिक्षक की गोद में प्रकृति और प्रलय का होता वास: अनिल प्रधान

एमएलसी चुनाव जिताने को सपा ने बनाई रणनीति

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। समाजवादी पार्टी ने इलाहाबाद-झांसी खण्ड शिक्षक एमएलसी चुनाव को लेकर जिलाध्यक्ष अनुज सिंह यादव की अध्यक्षता में बैठक की। बैठक में वरिष्ठ नेताओं ने तीस जनवरी को एमएलसी चुनाव की तैयारियों की रणनीति बनाई।

शनिवार को सपा जिला कार्यालय में बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाध्यक्ष अनुज सिंह यादव ने पार्टी के निदेर्शों से कार्यकताओं और नेताओं को अवगत कराया। कहा कि तीस जनवरी को इलाहाबाद-झांसी खण्ड शिक्षक एमएलसी चुनाव को मतदान होना है। सभी सम्मानित शिक्षक मतदाता वोट करेंगे। सपा के एमएलसी प्रत्याशी डॉ एसपी सिंह पटेल को मतदाता शिक्षकों व आम जनता का समर्थन मिल रहा है, क्योंकि सपा के पुरोधा श्रद्धेय नेताजी मुलायम सिंह यादव और सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शिक्षक और शिक्षण संस्थाओं के लिए ऐतिहासिक कार्य किये हैं। चाहे वित्त विहीन शिक्षकों के मानदेय का मामला हो या शिक्षकों के लिए कल्याणकारी योजनाओं का सवाल रहा हो।

अखिलेश यादव ने लाखों पढे-लिखे नौजवानों को सरकारी शिक्षक बनाने का कार्य

किया है। विपक्ष में रहकर भी शिक्षकों और आम जनता की समस्याओं के लिए सपा सडक से लेकर सदन तक संघर्ष कर रही है।

बैठक में मौजूद सदर विधायक अनिल प्रधान ने कहा कि आने वाला शिक्षक एमएलसी चुनाव बेहद महत्वपूर्ण है। प्रबुद्ध वर्ग को मतदाता करना है। कहते हैं कि शिक्षक की गोद में प्रकृति और प्रलय का वास होता है। विकास की बात, तरक्की की बात, खुशहाली की बात समाजवादी पार्टी की सोच और विचारधारा है।

सपा के पूर्व शासनकाल में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कर दिखाया है। सपाई डॉ लोहिया व भीमराव अम्बेडकर, सरदार वल्लभ भाई पटेल व कपूर्री ठाकुर को मानने वाले लोग हैं। अमन पसंद, तरक्की पंसद, खुशहाली पसंद और विकास पसंद लोग हैं। नेता अखिलेश यादव समता स्वतंत्रता और बन्धुत्व की विचारधारा को मानने वाले हैं। विधायक अनिल प्रधान ने कहा कि शिक्षकों के बीच सपा प्रत्याशी डॉ एमपी सिंह पटेल की चर्चा है।

उन्हें जिताने का सभी लोग मन बनाये हैं। पार्टी के वरिष्ठ नेता मान सिंह पटेल ने कहा कि प्रदेश के देवतुल्य शिक्षक सदैव समाजवादी पार्टी को अपना आशीर्वाद देते आये हैं। आने वाले इलाहाबाद-झांसी खण्ड शिक्षक एमएलसी प्रत्याशी डॉ एसपी सिंह पटेल को वोट करेंगे। बैठक में जिला प्रवक्ता सुभाष पटेल, मो गुलाब खां, राजाबाबू यादव, जगदीश यादव, चंचलचित्त पटेल, अजय तिवारी, ऋतुराज वर्मा, राकेश यादव, गया प्रसाद सविता, मनीष विश्वकर्मा, राजकिशोर विश्वकर्मा, अमर पटेल, सालिगराम कुशवाहा, साहबलाल द्विवेदी, गन्नू गुप्ता, नवनीत सोनी, शेरा यादव, कैलाश बौद्ध, अजय पाल, संतोष कोटार्य, पप्पू जायसवाल, मो रेहान, राधेश्याम निषाद, जागेश्वर यादव, मुन्ना सोनकर, अशोक पटेल आदि मौजूद रहे। संचालन जिला महासचिव फराज खान ने किया।

गोस्वामी तुलसीदास को मौनी अमावस्या में मिले थे प्रभु राम के दर्शन

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। चित्रकूट के घाट पर भई संतन की भीर, तुलसीदास चंदन घिसें, तिलक देत रघुवीर- ये चैपाई रामघाट में नजर आती है। शनिवार को मौनी अमावस्या पर मन्दाकिनी तट पर संत-महात्मा स्नान-ध्यान कर रहे हैं। उसी बीच गोस्वामी तुलसीदास जी स्नान-ध्यान करने के बाद चंदन घिसकर श्रीराम को तिलक कर रहे हैं।

शनिवार को रामघाट में मौनी अमावस्या पर लाखों की भीड जमा हुई। रामघाट में संतों का जमावडा लगा। गोस्वामी तुलसीदास को जिस स्थान पर प्रभु श्रीराम ने साक्षात दर्शन दिये थे, वहां पर मौनी अमावस्या के दिन हर साल भक्तों का सैलाब उमडता है। तुलसी गुफा मां मन्दाकिनी के तट पर स्थित रामघाट के पास मौजूद है। यहीं पर गोस्वामी तुलसीदास प्रभु श्रीराम के दर्शनों की अभिलाषा लिए रहते थे। बाबा तुलसी की लालसा को मूर्तरुप देने को प्रभु श्रीराम ने कलयुग में आज से तकरीबन पांच सौ वर्ष पहले मौनी अमावस्या के दिन गोस्वामी तुलसीदास को दर्शन दिया था। इसीलिए आज मौनी अमावस्या के दिन भक्तगण मां मन्दाकिनी में स्नान कर बाबा तुलसी की गुफा में जाकर श्रीराम के दर्शनों की अभिलाषा प्रकट करते हैं। श्रीराम की कृपा पाने को श्रद्धालुगण स्नान कर गुड, तिल आदि चढाते हैं। ऐसी मान्यता है कि जो भी सच्चे मन से मां मन्दाकिनी में स्नान कर बाबा तुलसी के दर्शन करता है, उसकी सभी मनोकामनायें पूरी होती हैं।

इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक श्रीमती वृन्दा शुक्ला ने शुक्रवार की रात रामघाट, मत्स्यगयेन्द्रनाथ मन्दिर, बरहा हनुमान मन्दिर, जलेबी वाली गली, परिक्रमा मार्ग एवं मेला क्षेत्र का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने डाग स्क्वायड व एलआईयू तथा एएस चेक टीम के साथ मौनी अमावस्या के पहले क्षेत्र की जांच कराई। जांच में कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली।

मौके पर जाकर निपटायें भूमि विवाद: डीएम

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जिलाधिकारी अभिषेक आनन्द ने तहसील सभागार राजापुर में सम्पूण समाधान दिवस की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी अभिषेक आनन्द ने एसडीएम राजापुर से कहा कि भूमि विवाद के मामले पुलिस व राजस्व की संयुक्त टीम भेजकर मौके पर निस्तारित करायें। जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देश दिये कि शासन की मंशानुसार समय सीमा के भीतर समस्यायें निस्तारित करें। निस्तारण के साथ लाभार्थी की संतुष्टि भी मिलनी चाहिए। इसके पहले जिलाधिकारी ने तहसील परिसर में वृक्षारोपण किया। विभिन्न विभागों से संचालित योजनाओं से संबंधित स्टालों का निरीक्षण किया। सम्पूर्ण समाधान दिवस में एसडीएम राजापुर प्रमोद कुमार झां, एएसपी चक्रपाणि त्रिपाठी, सीओ एसपी सोनकर समेत जिला स्तरीय अधिकारीगण मौजूद रहे।

कम नहीं हो रही पाकिस्तान के लोगों की मुश्किलें, अब बिजली दरों में हुई बढ़ोत्तरी, उपभोक्ताओं 43 रुपये प्रति यूनिट दाम चुकाने होंगे

इस्लामाबाद। पाकिस्तान गंभीर आर्थिक तंगी में है और कुछ लोगों का अनुमान है कि देश दिवालिएपन के कगार पर है। इस्लामाबाद की अर्थव्यवस्था पिछले साल की विनाशकारी बाढ़ से उबरने के लिए संघर्ष करते हुए कुछ समय के लिए लड़खड़ाती नजर आ रही थी, लेकिन हाल ही में हालात और भी बदतर हो गए हैं। पिछले सप्ताह इसके विदेशी भंडार के घटकर केवल 4.3 बिलियन डॉलर होने की रिपोर्ट सामने आई है, जो तीन सप्ताह के आयात को कवर कर सकता है। इस बीच, पाकिस्तानी रुपया

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले साल-दर-साल 20 फीसदी नीचे है। पाकिस्तान में खाने-पीने के चीजों की कीमतें आसमान छू रही है। महंगाई अपने चरम पर है। इसका असर देश की गरीब जनता पर सीधा पड़ रहा है।अब पाकिस्तान के लोगों की मुश्किलें बढ़ाने वाली एक और रिपोर्ट सामने आई है। जिसमें दावा किया गया है कि देश में बिजली भी महंगी हो गई है।

स्थानीय अखबार द डॉन की एक खबर के अनुसार पाकिस्तान में बिजली की कीमतों में इजाफा हुआ है। पाकिस्तान की नेशनल इलेक्ट्रिक पावर रेगुलेटरी अथॉरिटी ने बिजली की दरों में 3.30 रुपये प्रति यूनिट की बढ़ोतरी की है। ये दर कराची में लागू होंगे। जिसकी वजह से उपभोक्ताओं को 43 रुपये प्रति यूनिट दाम चुकाने होंगे। इसके साथ ही विभिन्न उपभोक्ता श्रेणियों के लिए टैरिफ में 1.49 रुपये से 4.46 रुपये प्रति यूनिट के बीच इजाफा किया गया है। नेशनल इलेक्ट्रिक पावर रेगुलेटरी अथॉरिटी का कहना है कि उसने समान टैरिफ नीति के तहत ही टैरिफ को समायोजित किया है। पूरे देश में बिजली उपभोक्ताओं में संघीय सरकार और उनके नियमों और विनियमों के तहत समान या यूनिफॉर्म टैरिफ वसूला जाता है। वहीं, पावर डिवीजन ने कहा कि केई 43 रुपये प्रति यूनिट बिजली मुहैया करा राह है और सरकार 18 रुपये प्रति यूनिट सब्सिडी दे रही है।

ब्रिटिस सांसद ने तारीफ में पढ़े कसीदे, पीएम मोदी को बताया इस ग्रह के सबसे ताकतवर लोगों में से एक

लंदन। ब्रिटिश सांसद लॉर्ड करण बिलिमोरिया ने दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था के साथ ब्रिटेन के संबंधों के महत्व को रेखांकित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को प्लानेट के सबसे शक्तिशाली व्यक्तियों में से एक के रूप में संदर्भित किया। ब्रिटेन के सांसद लॉर्ड करण बिलिमोरिया ने कहा कि नरेंद्र मोदी ने गुजरात के एक रेलवे स्टेशन पर अपने पिता की चाय की दुकान पर चाय बेची। आज वह भारत के प्रधानमंत्री के रूप में इस ग्रह पर सबसे शक्तिशाली लोगों में से एक हैं। आज भारत के पास ल20 की अध्यक्षता है। आज भारत के पास अगले 25 वर्षों में 32 बिलियन अमेरिकी डॉलर की जीडीपी के साथ दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी

अर्थव्यवस्था बनने का विजन है। इंडियन एक्सप्रेस स्टेशन से निकल चुका है औक यह अब दुनिया की सबसे तेज ट्रेन है। दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था। यूके निश्चित रूप से आने वाले दशकों में उसका सबसे करीबी और सबसे भरोसेमंद दोस्त और साझेदार होना चाहिए। दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और 1.4 बिलियन लोगों के साथ दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था भी है। 75 वर्षों के लोकतंत्र के साथ, यह एक युवा देश है। पिछले वित्तीय वर्ष में इसकी विकास दर 8.7 प्रतिशत थी, और इसने 10 यूनिकॉर्न कंपनियों में 100 से अधिक यूनिकॉर्न के साथ योगदान दिया है। यह नवीकरणीय ऊर्जा और सौर ऊर्जा का चौथा सबसे बड़ा उत्पादक भी है।' भारत ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी और एस्ट्राजेनेका के साथ साझेदारी कर रहा है।यूके के सांसद ने कहा कि यूके-भारत मुक्त व्यापार समझौता काफी उन्नत है। ÷हालांकि इस समय हमारा व्यापार ू29.6 बिलियन का है, भारत यूके का केवल 12वां सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है। यह पर्याप्त नहीं है; यह इतना अधिक होना चाहिए। बिलिमोरिया, कोबरा बीयर पार्टनरशिप लिमिटेड के अध्यक्ष मोल्सन कूर्स के साथ एक संयुक्त उद्यम, और मोल्सन कूर्स कोबरा इंडिया के अध्यक्ष, यूके-इंडिया बिजनेस काउंसिल के संस्थापक अध्यक्ष और राष्ट्रपति के अध्यक्ष के रूप में भारत-यूके कॉरिडोर के भीतर एक प्रभावशाली व्यक्ति हैं।

भारतीय-अमेरिकी निक्की हेली ने दिये राष्ट्रपति पद की दौड़ में शामिल होने के संकेत

इस्लामाबाद। प्रमुख भारतीय-अमेरिकी रिपब्लिकन नेता निक्की हेली ने कहा है कि उन्हें लगता है कि वह देश को नयी दिशा में ले जाने वाली ''नयी नेता'' हो सकती हैं और अमेरिका के राष्ट्रपति के तौर पर जो बाइडन को दूसरा कार्यकाल मिलना संभव नहीं। फॉक्स न्यूज को बृहस्पतिवार को दिये साक्षात्कार में साउथ कैरोलिना की पूर्व गवर्नर और संयुक्त राष्ट्र में अमेरिकी राजदूत ने कहा कि वह संभावित राष्ट्रपति पद का चुनाव लड़ने की योजना बना रही हैं।यह पूछे जाने पर कि क्या वह राष्ट्रपति पद की दौड़ में शामिल हो रही हैं, इक्यावन-वर्षीय नेता ने कहा, ''मुझे लगता है, आप नजर रखें। खैर, मैं यहां कोई घोषणा नहीं करने जा रही हूं।'' हालांकि, साक्षात्कार के दौरान हेली ने संकेत दिया कि वह अमेरिका की नई नेता हो सकती हैं। हेली ने कहा, ''लेकिन जब आप राष्ट्रपति पद की दौड़ देख रहे हैं,

तो आप दो चीजों को देखते हैं। आप पहले देखते हैं कि क्या मौजूदा स्थिति नये नेतृत्व का संकेत दे रही है? दूसरा सवाल यह है कि क्या मैं वह व्यक्ति हूं, जो नया नेता उभर सके, हां, हमें एक नयी दिशा में जाने की जरूरत है? और क्या मैं वह नेता हो सकती हूं? हां, मुझे लगता है कि मैं वह नेता हो सकती हूं'' अक्टूबर 2018 में ट्रम्प प्रशासन से इस्तीफा देने वाली हेली ने कहा कि उन्होंने गवर्नर और राजदूत के रूप में बहुत अच्छा काम किया था। लुइसियाना के साथी रिपब्लिकन बॉबी जिंदल के बाद भारतीय मूल की दूसरी गवर्नर हेली ने कहा कि यह रिपब्लिकन पार्टी में नया नेतृत्व लाने का समय है। साक्षात्कार के दौरान हेली ने इस बात पर भी जोर दिया कि एक डेमोक्रेट राष्ट्रपति बाइडन को दूसरा कार्यकाल नहीं दिया जाना चाहिए। अगला अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव पांच नवंबर, 2024 को होना है।

अर्जेंटीना में 6.5 तीव्रता का भूकंप

ब्यूनस आयर्स। अर्जेंटीना में तड़के भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी ने यह जानकारी दी। सेंटर के मुताबिक अर्जेंटीना के कार्डोबा से 517 किलोमीटर उत्तर में तड़के करीब 3:39 बजे जोरदार झटके महसूस हुए। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 6.5 मापी गई। फिलहाल जानमाल के नुकसान की सूचना नहीं है। एक सरकारी अधिकारी का कहना है कि अधिक जानकारी की प्रतीक्षा है।

यूक्रेन के पूर्वी हिस्से में हवाई हमले का अलर्ट, बज रहे हैं सायरन

कीव। यूक्रेन के पूर्वी क्षेत्रों में देररात से हवाई हमले के सायरन बज रहे हैं। यह जानकारी डिजिटल परिवर्तन मंत्रालय के हवाई हमले के लक्षित क्षेत्रों वाले मानचित्र में दी गई है।

रूस के क्रीमियन पुल पर यूक्रेन के हमले के दो दिन बाद 10 अक्टूबर, 2022 से युद्ध तेज हो गया है। तब से रूस लगातार यूक्रेन के बुनियादी ढांचे पर हवाई हमले कर मिसाइलों और राकेट की बौछार कर रहा है। रूस ने यूक्रेन के बिजली, रक्षा, और संचार सुविधाओं को निशाना बनाया है। यूक्रेन के प्रधानमंत्री डेनिस शिम्हाल ने 15 नवंबर के रूस के हमले के बाद कहा था कि देश के लगभग आधे पावर ग्रिड से बिजली का उत्पादन ठप हो गया है। राष्ट्रपति जेलेंस्की ने दिसंबर में यह स्वीकार करते हुए साफ किया था कि अब यूक्रेन के पावर ग्रिड को पूरी तरह से बहाल करना असंभव है।

बुर्किना फासो में अपहृत 50 महिलाएं और लड़कियां रिहा

औगा डौगू (बुर्किना फासो)। पश्चिमी अफ्रीका के देश बुर्किना फासो के उत्तरी प्रांत सौम में कुछ दिन पहले अपहृत की गई 50 महिलाओं और लड़कियों रिहा कर दिया गया। इनका अपहरण इस्लामी कट्टरपंथी आतंकवादियों ने किया था। सरकार के एक आधिकारिक प्रवक्ता ने यह जानकारी दी।

सरकार ने इनके अपहरण की सूचना 16 जनवरी को सार्वजनिक की थी। इनका अपहरण 12 और 13 जनवरी को जंगल में किया गया था। यह सभी सभी महिलाएं और लड़कियां भोजन की तलाश में जंगल की पत्तियां और जंगली फल लेने गई थीं। इन आतंकवादियों के चंगुल से भागने में कामयाब रही एक लड़की ने अपनी आपबीती गांव में सुनाई थी। तब यह सूचना प्रशासन और सरकार के पास पहुंची।

जो ठान लिया उसे पूरा करो: बैंकर की नोकरी छोड़ ऐसा पुरुसार्थ किया कि बन गई देश की सबसे अमीर महिला

पुणे। इन्वेस्टमेंट कंपनी में मामूली बैंकर के रूप में काम करने वाली एक महिला फाल्गुनी नायर ने अपने पुरुषार्थ से महिला जगत को ऐसा कुछ कर दिखाया की वेल्थ हुरून इंडिया रिच लिस्ट 2022 की सबसे अमीर सेल्फ मेड भारतीय महिला के रूप में फाल्गुनी नायर का नाम घोषित करना पड़ा। दुनिया भर में खुद के दम पर अमीर बनने वाली श्रीमती नायर अब ब्यूटी ई- कॉमर्स प्लेटफार्म "नायका" के फाउंडर के रूप मे पहचानी जाती है। नायर अपनी प्रगति को लेकर बताती है कि वर्ष 2021 में स्टॉक एक्सचेंज पर नायिका की जोरदार लिस्टिंग हुई, उसके बाद कॉरपोरेट जगत से लेकर हर तरफ कंपनी की फाउंडर और सीईओ फाल्गुनी नायर की चर्चा होने लगी। शेयर बाजार में नायिका की जोरदार लिस्टिंग के बाद फाल्गुनी नायर की संपत्ति में 963 फीसदी का शानदार उछाल आया और उस के दम पर ही फाल्गुनी नायर देश की सबसे अमीर सेल्फमेड महिला अरबपति घोषित की गई। वैसे दुनिया भर में खुद के दम पर अमीर बनने वाली महिलाओं की लिस्ट में फाल्गुनी नायर का दसवां स्थान है। 50 की उम्र तक पहुंचते-पहुंचते फाल्गुनी नायर ने बहुत बड़ा दांव खेला, अपनी बेहतर नौकरी छोड़कर नायका की शुरूआत की । दरअसल नायका संस्कृत का शब्द है जिसका तात्पर्य है "प्रमुख किरदार को निभाने वाली अभिनेत्री" उन्होंने महिलाओं की खूबसूरती को निखारने को अवसर के तौर पर देखा और ब्यूटी वैलनेस प्रोडक्ट बेचने के लिए ऑनलाइन प्लेटफॉर्म की शुरूआत की।

अखंड भारत संदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर
योग सत्संग समिति
द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज
1/6C माधव कुंज
कटरा प्रयागराज से मुद्रित
एवं
क्रियायोग आश्रम एण्ड अनुसंधान संस्थान
झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश
से प्रकाशित।
सम्पादक
स्वामी श्री योगी सत्यम्
Title UPHIN 29506
ऑफिस मो.:
9565333000
Email:-
akhandbharatsandesh1@gmail.com
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र
प्रयागराज होगा।

पाकिस्तान की बदहाली का कारण हैं पूर्व सेना प्रमुख बाजवा और आईएसआई प्रमुख हामिद : नवाज शरीफ

लंदन। पाकिस्तान की भयंकर महंगाई, आर्थिक मंदी और बदहाली के लिए पूर्व सेना प्रमुख कमर जावेद बाजवा और पूर्व आईएसआई प्रमुख फैज हामिद को जिम्मेदार ठहराया गया है। यह आरोप पूर्व प्रधानमंत्री और मुस्लिम लीग नवाज (पीएमएल-एन) के प्रमुख नवाज शरीफ ने लगाया है।

पूर्व पीएम ने कहा कि वर्ष 2018 के आम चुनाव में धांधली कर इमरान खान सरकार को लाया गया। नवाज ने आरोप लगाया कि बाजवा और फैज हामिद ने अपने निजी हितों के लिए पाकिस्तान को ऐसी स्थिति में ला दिया है जिसका खामियाजा देश की जनता को उठाना पड़

रहा है। नवाज शरीफ ने यह बातें पीएमएल-एन के वरिष्ठ नेताओं के प्रतिनिधिमंडल से लंदन में मुलाकात के बाद कही। वह पिछले कुछ वर्षों से लंदन में हैं। पाकिस्तान नेशनल असेंबली के अध्यक्ष राजा परवेज अशरफ ने पीटीआई के और 35 सांसदों का त्यागपत्र स्वीकार कर लिया है। इससे पहले पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के करीब तीन दर्जन सांसदों का त्यागपत्र स्वीकार किया गया था। गत अप्रैल में सत्ता जाने के बाद पीटीआई सांसदों ने बड़ी संख्या में त्यागपत्र दिया था। अब तक कुल 80 सांसदों के इस्तीफे मंजूर हो चुके हैं। वर्तमान में पाकिस्तान में खाद्य वस्तुओं की महंगाई चरम पर है। देश में सरसों तेल की कीमत 374.6 रुपये प्रति लीटर से 532.5 रुपये, दूध की कीमत 114.8 प्रति लीटर से 149.7 रुपये प्रति लीटर तक पहुंच चुकी है। जबकि, देश में प्याज के भाव 220 पाकिस्तानी रुपये प्रति किलो तक पहुंच गए हैं।

पाकिस्तान में कमर तोड़ महंगाई से आम जनता परेशान है। गौरतलब है कि पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति को देखते हुए विश्व के कई देशों ने मदद का हाथ बढ़ाया है। पाकिस्तान की मदद के लिए चीन, अमेरिका, ब्रिटेन, जापान, यूएई सहित कई देश आगे आए हैं।

अमेरिकी कैपिटल में दंगे के आरोप में तीन नौसैनिक गिरफ्तार

वाशिंगटन। अमेरिकी संसद परिसर 'कैपिटल' में दंगे के आरोप में तीन नौसैनिकों को गिरफ्तार किया गया है। तीनों की गिरफ्तारी अमेरिकी सेना ने की है। यह दंगे 06 जनवरी, 2021 को हुए थे। यह सूचना अदालत में जमा कराए गए एक दस्तावेज से सामने आई है।

इस दस्तावेज के मुताबिक मीका कूमर , जोशुआ एबेट और डॉज डेल हेलोनेन (तीनों नौसैनिक) को इस सप्ताह की शुरुआत में गिरफ्तार किया गया। आपराधिक शिकायत के अनुसार इन नौसैनिकों की भूमिका की जांच की गई थी। दंगे के दिन तीनों कैपिटल में 52 मिनट रहे। तस्वीरें लीं। इनको इंस्टाग्राम पर अपलोड भी किया। इस दंगे के सिलसिले में अब तक लगभग 900 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। इनमें से 325 से अधिक लोगों को दोषी ठहराया जा चुका है।

पिछले साल सितंबर में न्यूयार्क पुलिस विभाग के एक सेवानिवृत्त अधिकारी को अमेरिकी संसद परिसर 'कैपिटल' में हमला करने और डोनाल्ड ट्रंप के समर्थकों की भीड़ को रोकने का प्रयास कर रहे एक पुलिस अधिकारी पर ध्वजदंड से वार करने के आरोप में 10 साल जेल की सजा सुनाई गई थी। इस दिन लगभग 250 लोगों को सजा सुनाई गई लेकिन सेवानिवृत्त अधिकारी थॉमस वेब्स्टर (56) को सबसे ज्यादा 10 साल कैद की सजा सुनाई गई।

दक्षिण कोरिया में अस्थाई आवासों में लगी भीषण आग, सैकड़ों लोग हुए विस्थापित

वाशिंगटन। दक्षिण कोरिया की राजधानी के पास घनी आबादी वाले अस्थाई आवासों में भीषण आग लग गई, जिससे कम से कम 60 मकान जलकर खाक हो गए। करीब 500 स्थानीय लोगों को सुरक्षित ठिकानों तक पहुंचाया गया है। अधिकारियों ने बताया कि दमकलकर्मियों ने करीब पांच घंटे की मशक्कत के बाद सियोल के गुरयोंग गांव में लगी आग पर काबू पाया। अभी तक किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है। सियोल में गंगनम जिले के दमकल विभाग के अधिकारी शिन योंग-हो ने बताया कि बचावकर्मी आग से प्रभावित क्षेत्रों में लोगों की तलाश कर रहे हैं।हालांकि, माना जा रहा है कि सभी लोगों को सुरक्षित निकाल लिया गया है। आग सुबह करीब साढ़े छह बजे लगी थी। आग पर काबू पाने के लिए और लोगों को सुरक्षित निकालने के

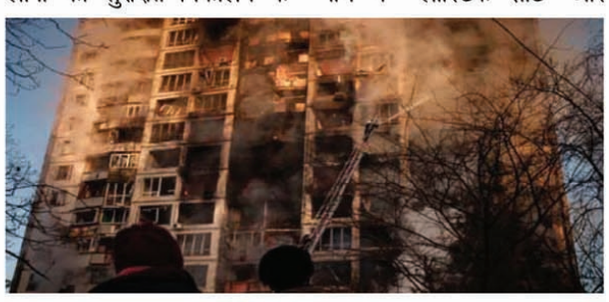

लिए 800 से अधिक दमकलकर्मियों, पुलिस अधिकारियों और अन्य कर्मचारियों को तैनात किया गया। घटनास्थल की तस्वीरों में दमकलकर्मी घने धुएं से ढके गांव में आग की लपटों को बुझाने की कोशिश करते और हेलीकॉप्टर के जरिए ऊपर से पानी का छिड़काव करते दिख रहे हैं। शिन योंग-हो ने बताया कि ऐसा अनुमान है कि गांव में 'प्लास्टिक शीट' और लकड़ी (प्लाईवुड) से बने एक घर में आग लग गई थी, जो बाद में बाकी मकानों में फैल गई। उन्होंने बताया कि आग लगने की उचित वजह का पता लगाया जा रहा है। गंगनम जिला कार्यालय के अधिकारी किम अह-रेम ने बताया कि करीब 500 लोगों को नजदीक स्थित जिम और एक स्कूल में ठहराया गया है।

चीन की जनसंख्या में गिरावट दशकों के असफल परिवार नियोजन उपायों का परिणाम, इसके वैश्विक प्रभाव होंगे

बीजिंग। चीन की जनसंख्या 60 वर्षों में पहली बार घटी है और सदी के अंत तक इसका आधी से कम होना तय है। कुछ वर्षों तक गिरावट के बाद, चीन अब उस स्थिति में पहुंचेगा जिसे एक सरकारी अधिकारी ने नकारात्मक जनसंख्या वृद्धि का युग कहा है, राष्ट्रीय जन्म दर प्रति 1,000 लोगों पर 6.77 जन्म के रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गई है। चीन लंबे समय से दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला देश रहा है। ग्रेट लीप फॉरवर्ड राजनीतिक अभियान के कारण आए अकाल के वर्षों (1959-61) के अलावा, पिछले दशकों में चीन की आबादी तेजी से बढ़ी है।1970 के दशक में चीन की तीव्र जनसंख्या वृद्धि धीमी होने लगी जब चीनी सरकार ने जनसंख्या के अत्यधिक बढ़ने के डर के कारण परिवार नियोजन उपायों की शुरुआत की। सबसे दूरगामी उपाय 1980 में अपनाई गई एक-बच्चा नीति थी जिसने प्रत्येक घर को केवल एक बच्चे तक सीमित कर दिया (कुछ अपवादों के साथ)। उस समय सरकार के तर्क के अनुसार, जनसंख्या वृद्धि को कम करने से जीवन स्तर को बढ़ाने और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक संसाधनों

की कमी हो पूरा किया जा सकेगा। तदनुसार चीन की जनसंख्या में वृद्धि की दर कई दशकों तक धीमी रही।

अब, दशकों में पहली बार जनसंख्या कम होने लगी है। लेकिन क्या चीन की आबादी वास्तव में चरम पर है, और यह कमी कब और कितनी तेजी से होगी, यह स्पष्ट नहीं है और यह कुछ बहस का विषय है। 2022 से संयुक्त राष्ट्र विश्व जनसंख्या संभावना में पहले अनुमान लगाया गया था कि चीन की जनसंख्या 2030 के आसपास घटने लगेगी। चीन की आबादी पर डेटा कुख्यात रूप से अविश्वसनीय है और गिनती कौन कर रहा है इस पर निर्भर करता है।

चीन के राष्ट्रीय सांख्यिकी ब्यूरो के अनुसार, देश में 2022 के अंत में एक अरब 41 करोड़ 17 लाख लोग थे, जबकि एक साल पहले यह एक अरब 41 करोड़ 26 लाख थे। लेकिन संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष ने अनुमान लगाया है कि चीन में लोगों की संख्या एक अरब 44 करोड़ 85 लाख है और विश्व जनसंख्या समीक्षा का अनुमान एक अरब 42 करोड़ 60 लाख है। जनसंख्या के रुझान के अनुमानों में भिन्नता विभिन्न मान्यताओं और डेटा स्रोतों पर आधारित होती है, जिससे अलग-अलग उम्मीदें होती हैं कि समय के साथ चीन का समाज कैसे विकसित होगा। इन अनुमानों को समय के साथ जितना आगे बढ़ाया जाता है, वे उतने ही कठिन होते जाते हैं।

गैबॉन के विदेश मंत्री माइकल मौसा एडमो का निधन, विदेश मंत्री जयशंकर ने निधन पर जताया शोक

गैबॉन। गैबॉन के विदेश मंत्री माइकल मौसा एडमो का निधन हो गया। गैबॉन के राष्ट्रपति अली बोंगो ओडिम्बा ने एक ट्वीट में उन्हें एक महान राजनयिक और एक वफादार दोस्त बताते हुए गैबॉन के लिए एक बड़ी क्षति बताया। गैबॉन के राष्ट्रपति ने एक ट्वीट में लिखा मारे विदेश मंत्री माइकल मौसा एडमो आज हमें छोड़कर चले गए। वह एक बहुत महान राजनयिक, एक सच्चे राजनेता थे। मेरे लिए, वह सबसे पहले एक मित्र फिर एक वफादार राजनेता थे। जिन्हें मैं हमेशा चाहता था। वहीं विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शनिवार को सोशल मीडिया पर ट्वीट कर गैबॉन के विदेश मंत्री माइकल मौसा एडमो के असामयिक निधन पर दुख व्यक्त किया जिन्हें उन्होंने 'भारत का मित्र' कहा। जयशंकर ने ट्वीट किया कि गैबॉन के विदेश मंत्री और भारत के मित्र, माइकल मौसा एडमो के निधन के बारे में सुनकर सदमे में हूं। इस असामयिक नुकसान के लिए उनके परिवार और गैबॉन सरकार के प्रति संवेदनाएं।